माघ कृष्ण - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 173 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 18-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सिर्फ भाजपा में ही साधारण सदस्य पार्टी अध्यक्ष बन सकता है : हिमंत

6 धर्म बाँटने की नहीं बल्कि जोड़ने की जीवन पद्धति

4 बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलध कराना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल

फर्स्ट टेक

40 से अधिक पाकिस्तानियों के डूबने की आशंका

इस्लामाबाद/भाषा। स्पेन पहुंचने की कोशिश कर रहे 80 प्रवासियों को ले जा रही एक नौका के मोरक्को के पास समुद्र में पलट जाने से 40 से अधिक पाकिस्तानियों के मारे जाने की आशंका है। प्रवासी अधिकार समूह 'वॉकिंग बॉर्डर्स' ने बृहस्पतिवार को कहा कि डूबने वाले प्रवासियों की संख्या 50 हो सकती है। मोरक्को के अधिकारियों ने एक दिन पहले एक नौका से 36 लोगों को बचाया था जो 66 पाकिस्तानियों सहित 86 प्रवासियों को लेकर दो जनवरी को मॉरिटानिया से रवाना हुई थी। 'वॉकिंग बॉर्डर्स' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेलेना मालेनो ने 'एक्स' पर कहा कि डूबने वालों में 44 लोग पाकिस्तान के हो सकते हैं।

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक

नई दिल्ली/एजेन्सी। संसद का बजट सत्र आगामी 31 जनवरी से शुरू होकर 04 अप्रैल को संपन्न होगा। लोकसभा सचिवालय ने शुक्रवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को राष्ट्रपति के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में संबोधन के साथ शुरू होगी। एक फरवरी को लोकसभा में आम बजट पेश किया जाएगा और इससे पहले आर्थिक सर्वेक्षण भी संसद में रखा जाएगा। संसद का बजट सत्र 04 अप्रैल को संपन्न होगा। यह 18वीं लोकसभा का चौथा सत्र होगा।

यूक्रेन संघर्ष में 12 भारतीयों की मौत, रूस ने 16 को लापता कहा : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली/एजेन्सी। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन संघर्ष में अब तक रूसी सेना में कार्यरत 12 भारतीय नागरिकों की मौत हुई है, जबकि 16 को रूस ने लापता श्रेणी में वर्गीकृत किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने आज एक ब्रीफिंग में कहा कि संघर्ष में मारे गए केरल के एक भारतीय नागरिक बिनिल बाबू का शव भारत लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मॉस्को में भारतीय दूतावास घायल हुए केरल के एक अन्य व्यक्ति के रिश्तेदारों के संपर्क में है और उसे छुट्टी देकर भारत वापस भेज दिया जाएगा।

18-01-2025 सूर्यास्त 6:03 बजे | 19-01-2025 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
76,619.33	23,203.20
(-423.49)	(-108.60)

सोना	चांदी
8,245 रु.	102,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बिकाऊ नेता

जिनको जनता ने चुना कभी,
जारी है उनकी भी खरीद।
निज दल उनको अब रिझा रहे,
पर दल के ना होवें मुरीद।
अवसरवादी नेताओं की,
बिन चन्द्र रही हर वक्त ईद।
पद पैसा मिलने पर करते,
जनमत के आगे सदा लीद।।

राष्ट्रपति ने पारंपरिक समारोह में दिये राष्ट्रीय खेल पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दो ओलंपिक पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर और शतरंज विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने चमक बिखेरी लेकिन शुक्रवार को जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किये तो सबसे ज्यादा तालियां पैरा एथलीटों को मिली।

मनु और गुकेश के साथ भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता ऊंचीकूद के खिलाड़ी प्रवीण कुमार को भी देश का सर्वोच्च खेल सम्मान प्रदान किया गया।

बाईस वर्ष की भाकर एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी जिन्होंने पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

हरमनप्रीत टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक में वह टीम के कप्तान भी थे। दूसरी ओर बायें पैर में विकार के साथ पैदा हुए प्रवीण ने टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता और पेरिस में उसे स्वर्ण में बदला।

अठारह बरस के गुकेश सबसे युवा विश्व चैम्पियन बने जिन्होंने पिछले महीने चीन के डिंग लिरेन को हराया। वह विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व चैम्पियनशिप जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। वह पिछले साल सितंबर में शतरंज ओलंपियाड में भारत की खिताबी जीत में भी सूत्रधार थे।

इस बार 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिये गए जिनमें से 17 पैरा एथलीट हैं।

अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सेहरावत, निशानेबाज स्वप्निल कुसाले, सरबजोत सिंह और पुरूष हॉकी टीम के सदस्य जरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, संजय और अभिषेक शामिल हैं।

भारत वाहन क्षेत्र में निवेश के लिए प्रमुख स्थल : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत वाहन क्षेत्र में आगे बढ़ने को इच्छुक निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। उन्होंने साथ ही निवेशकों को हर संभव सरकारी मदद का आश्वासन भी दिया।

प्रधानमंत्री ने यहां भारत मंडपम में वैश्विक वाहन प्रदर्शनी 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' 2025 का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि भारत हरित प्रौद्योगिकी, ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) हाइड्रोजन ईंधन और जैव ईंधन के विकास पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल की ताकत देश के वाहन उद्योग की विकास संभावनाओं को बढ़ावा देती है। दशक के अंत तक ईवी की बिक्री आठ गुना होने वाली है।

मोदी ने कहा कि सरकार एक ऐसी परिवहन प्रणाली पर काम कर रही है जो अर्थव्यवस्था तथा पर्यावरण के अनुकूल होगी। साथ ही यह प्रणाली जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल आदि) के आयात 'बिल' को कम कर सकती है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल ने वाहन उद्योग के विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है।

इस पहल को पीएलआई (उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन) योजना से बढ़ावा मिला है। इससे इस क्षेत्र में 2.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री में मदद मिली है। इस योजना से वाहन क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से 1.5 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, '' यात्रा में सुगमता भारत की एक बड़ी प्राथमिकता है। पिछले बजट में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया था। कई लेन वाली सड़कों और राजमार्गों के नेटवर्क का विस्तार किया गया है।'' उन्होंने कहा कि भारत का वाहन उद्योग बेहतरीन होने के साथ भविष्य के लिए तैयार है।

बेंगलूरु में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन

बेंगलूरू। अमेरिका ने शुक्रवार को बेंगलूरु में अपना वाणिज्य दूतावास खोला। इसे भारत-अमेरिकी राजनयिक संबंधों में अहम पढ़ाव माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसको मील का पत्थर बताया। उद्घाटन समारोह में विदेश मंत्री एस जयशंकर, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, बेंगलूरु में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन एक मील का पत्थर है, जो बेंगलूरु और कर्नाटक के लोगों की पुरानी मांग को पूरा करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने इस मांग को पूरा करने की दिशा में कदम उठाए हैं। यह वाणिज्य दूतावास कर्नाटक के लोगों को वैश्विक आकांक्षाओं से जुड़ने के लिए एक असाधारण मंच प्रदान करेगा।

'इमरजेंसी' पर प्रतिबंध लगाने की मांग कला और कलाकार का उत्पीड़न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री कंगना रनौत ने शुक्रवार को कहा कि 'इमरजेंसी' पर प्रतिबंध लगाने की शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की मांग और फिल्म का पंजाब के कुछ ही हिस्सों में सीमित प्रदर्शन 'कला और कलाकार' का पूरी तरह से उत्पीड़न है।

एसजीपीसी प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर 'इमरजेंसी' पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। यह फिल्म शुक्रवार को पूरे देश में रिलीज हुई।

लुधियाना, अमृतसर, पटियाला और बठिंडा के कई सिनेमाघरों में 'इमरजेंसी' नहीं दिखाई गई, क्योंकि एसजीपीसी के सदस्यों ने फिल्म के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। राज्य में मॉल और सिनेमाघरों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया।

कंगना ने कहा, ''यह कला और कलाकारों का पूरी तरह से उत्पीड़न है। पंजाब के कई शहरों से सूचना मिल रही है कि ये लोग 'इमरजेंसी' को प्रदर्शित नहीं होने दे रहे हैं।''

हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद (38) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं सभी धर्मों का अत्यधिक सम्मान करती हूं। मैंने चंडीगढ़ में पढ़ाई की है और वहीं पली-बढ़ी हूं। मैंने सिख धर्म को करीब से देखा और उसका पालन किया है। मेरी छवि बिगाड़ने और 'इमरजेंसी' को नुकसान पहुंचाने के लिए झूठ बोला जा रहा है और दुष्प्रचार किया जा रहा है।''

कंगना कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रही थीं। खैरा ने 'इमरजेंसी' पर प्रतिबंध लगाने के आह्वान का समर्थन करते हुए कहा कि कंगना ''किसानों और सिखों के हमारे देश के प्रति योगदान को जाने बिना'' उनकी आलोचक रही हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड में सत्रह नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़/एजेन्सी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले और तेलंगाना के संयुक्त अभियान में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 17 नक्सली ढेर हो गए हैं। बीजापुर में गुरुवार सुबह करीब नौ बजे से शुरू हुई मुठभेड़ आज खत्म हो गई। घटना स्थल से जवानों की टीम वापसी कर रही है। पुजारी कांकेर और मारुडबाका के जंगलो में हुई मुठभेड़ में 17 नक्सली ढेर हुए हैं जिसमें से 12 के शव बरामद भी कर लिए गए हैं। वहीं डीआरजी का एक जवान घायल भी हुआ है। 1100 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा के डीआरजी के जवान भी शामिल हैं इस अभियान का हिस्सा थे। इसके अलावा, कोबारा बटालियन के सीआरपीएफ जवानों का भी इस ऑपरेशन में सहयोग रहा।

रोजगार के नाम पर युवाओं को गुमराह कर रही है मोदी सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर रोजगार के आंकड़ों में फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जो तस्वीर पेश की जा रही है वह झूठ है और सच्चाई पर पर्दा डालने का काम किया जा रहा है।

खरगे ने कहा कि झूठे दावों, आंकड़ों के फर्ज़ीवाड़े और घटती नौकरियों की सच्चाई पर पर्दा डालना मोदी सरकार की आदत बन चुकी है। इस साल 82 प्रतिशत युवा नौकरी की तलाश में, 55 प्रतिशत बोले पिछले साल नौकरी ढूंढ़ना हुआ कठिन और 37 प्रतिशत का कहना है कि उन्होंने 2025 में नयी नौकरी तलाशने की उम्मीद ही छोड़ दी है। एक अलग सर्वे से पता चला है कि 69 प्रतिशत मानव संसाधनए-एचआर से जुड़े पेशेवरों को लगता है कि किसी भूमिका के लिए योग्य प्रतिभा ढूंढना अब अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है।

उन्होंने कहा सरकारी आंकड़ों द्वारा बिना सर्वेक्षण किए, पुराने सर्वे के अनुमान जे आधार पर मोदी सरकार करोड़ों युवाओं को रोज़गार पैदा करने के नाम पर गुमराह कर रही है। बिना भुगतान के श्रमिक को नौकरियाँ बनाकर, 'ओन ऑवर वर्क पर वीक' को भी नौकरियों की तरह गिनकर देश को धोखा दे रही है। मोदी सरकार ने युवाओं को - माफ़ियाराज द्वारा पेपर लीक, चंद नौकरियों के लिए भगदड़, नोटबंदी और गलत जीएसटी जैसी कुनीतियों द्वारा एमएसएमई ठप्प कर नौकरी छीनने, आरक्षण का अधिकार हथियाने, सरकारी नौकरियों के पद सालों तक ख़ाली रखने और सालाना दो करोड़ नौकरी देने जैसे झूठ से ठगा है।

भ्रष्टाचार के मामले में क्रमशः

इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा को 14 और सात साल की सजा सुनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 19 करोड़ पाउंड के अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार देते हुए क्रमशः 14 और सात वर्ष कैद की सजा सुनाई।

भ्रष्टाचार निरोधक अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा ने अडियाला जेल में स्थापित एक अस्थायी अदालत में यह फैसला सुनाया, जहां खान वर्तमान में बंद हैं। 2022 में संसद में विश्वास मत हारने के बाद खान दर्जनों मामलों का सामना कर रहे हैं।

खान को ''भ्रष्ट आचरण'' और ''पद का दुरुपयोग'' करने के लिए दोषी करार दिया गया है, जबकि उनकी पत्नी को ''अवैध गतिविधियों में संलिप्तता'' के लिए दोषी ठहराया गया है।

अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान को कैद की सजा के अलावा 10 लाख पाकिस्तानी रुपए और बुशरा बीबी पर पांच लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं भरने पर खान को छह महीने और बुशरा बीबी को तीन महीने की अतिरिक्त सज़ा काटनी होगी।

अदालत ने उनके द्वारा स्थापित अल-कादिर विश्वविद्यालय की जमीन भी ज़ब्त करने का आदेश दिया।

सजा सुनाये जाने के बाद बुशरा को अदालत में गिरफ्तार कर लिया गया।

खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के समर्थकों और नेताओं ने संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाए और उन्हें रिहा किये जाने की मांग की।

पूर्व प्रधानमंत्री के हवाले से उनकी पार्टी ने कहा, ''आज के फैसले से न्यायपालिका की छवि खराब हुयी है। इस मामले में न तो मुझे कोई लाभ हुआ था और न ही सरकार को नुकसान हुआ था। मैं किसी प्रकार की राहत नहीं चाहता हूं और मैं सभी मामलों का सामना करुंगा।''

दुनिया के सबसे बड़े बैटरी भंडारण संयंत्रों में से एक में भीषण आग लगी

मॉस लैंडिंग (अमेरिका)/एपी। दुनिया के सबसे बड़े बैटरी भंडारण संयंत्रों में से एक में बृहस्पतिवार दोपहर भीषण आग लग जाने के कारण सैकड़ों लोगों को वहां से हटने का आदेश दिया गया तथा उत्तरी कैलिफोर्निया में राजमार्ग एक का एक हिस्सा बंद कर दिया गया। मर्करी न्यूज की खबर के अनुसार, आग की लपटें और काला धुआं उठने लगा तथा बृहस्पतिवार रात तक इसमें कमी आने का कोई संकेत नहीं दिखा, जिसके कारण लगभग 1,500 लोगों को मॉस लैंडिंग और एल्कहॉर्न स्लौ क्षेत्र को खाली करने का निर्देश दिया गया। सैन फ्रांसिस्को से लगभग लगभग 124 किलोमीटर दक्षिण में स्थित मॉस लैंडिंग पावर प्लांट का स्वामित्व टेक्सास की कंपनी विस्ट्रा एनर्जी के पास है और इसमें हजारों लिथियम बैटरियां हैं। ये बैटरियां सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त बिजली के भंडारण के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन यदि इनमें आग लग जाए तो इसे बुझाना बहुत कठिन हो सकता है। मोंटेरी काउंटी के सुपरवाइजर ग्लेन चर्च ने केएसबीडब्ल्यू-टीवी से कहा कि यह एक आपदा है।

हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने संबंधी समझौते पर सहमति बनी : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि गाजा पट्टी में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने संबंधी समझौते को लेकर सहमति बन गई है। नेतन्याहू ने कहा कि वह समझौते को मंजूरी देने के लिए शुक्रवार को सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाएंगे और फिर सरकार इस समझौते को मंजूरी देगी।

इस घोषणा से एक दिन पहले नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा था कि गाजा में युद्ध विराम और फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले बंधकों को मुक्त करने के लिए वार्ता में अंतिम समय में रुकावटें आईं।

नेतन्याहू के भोर से पहले दिए गए बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि इस समझौते के लिए इजराइल की मंजूरी का रास्ता साफ हो गया है, जिसके तहत गाजा पट्टी में लड़ाई रुक जाएगी और इजराइल द्वारा बंदी बनाए गए फलस्तीनी कैदियों के बदले में गाजा में उग्रवादियों द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों बंधकों को रिहा किया जाएगा।

इस समझौते से लाखों विस्थापित फलस्तीनियों को गाजा में अपने घरों में लौटने का अवसर भी मिलेगा।

इस बीच, युद्धग्रस्त क्षेत्रों में हुए इजराइली हमलों में कम से कम 72 लोग मारे गए।

नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने गाजा से बंधकों की वापसी के लिए एक विशेष कार्य बल को तैयार करने का निर्देश दिया और उनके परिवारों को सूचित किया गया है कि समझौता हो गया है।

इजराइल ने संघर्ष विराम पर बृहस्पतिवार को मतदान में देरी की थी और हमास को अंतिम समय में मंजूरी में देरी के लिए जिम्मेदार ठहराया। नेतन्याहू की सरकार के गठबंधन में बढ़ते तनाव ने समझौते के कार्यान्वयन के बारे में चिंताएं पैदा कर दीं।

नेतन्याहू के भोर से पहले दिए गए बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि इस समझौते के लिए इजराइल की मंजूरी का रास्ता साफ हो गया है, जिसके तहत गाजा पट्टी में लड़ाई रुक जाएगी और इजराइल द्वारा बंदी बनाए गए फलस्तीनी कैदियों के बदले में गाजा में उग्रवादियों द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों बंधकों को रिहा किया जाएगा।

एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रमुख मध्यस्थ कतर ने घोषणा की थी कि यह पूरा हो गया है।

नेतन्याहू के कार्यालय ने हमास पर आगे की रियायतें हासिल करने के प्रयास में समझौते के कुछ हिस्सों से मुकरने का आरोप लगाया था। बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में, इजराइली सरकार के प्रवक्ता डेविड मेनसर ने कहा कि हमास की नई मांगें फिलाडेल्फी कॉरिडोर में इजराइली सेना की तैनाती से संबंधित हैं।

फिलाडेल्फी कॉरिडोर मिस्र की सीमा से सटी एक संकरी पट्टी है जिस पर इजराइली सैनिकों ने मई में कब्ज़ा कर लिया था।

हमास ने इन दावों का खंडन किया। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी इज़्ज़त अल-रिश्क ने कहा कि उग्रवादी समूह ''युद्धविराम समझौते के लिए प्रतिबद्ध है, जिसकी घोषणा मध्यस्थों ने की थी।''

दिल्ली चुनाव: भाजपा के घोषणा पत्र के केंद्र में महिलाएं, 2500 रुपए मासिक सहायता सहित किए कई वादे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपना संकल्प पत्र-1 जारी किया, जिसके केंद्र में महिलाओं को रखते हुए 2,500 रुपए की मासिक सहायता और गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपए की आर्थिक मदद सहित कई वादे किए गए हैं।

पार्टी ने विधानसभा चुनाव जीतने पर 500 रुपए में एलपीजी सिलेंडर और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 2,500 रुपए पेंशन देने का भी वादा किया है। पार्टी ने घोषणा की कि यदि वह दिल्ली की सत्ता में आती है तो आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से चलाई जा रही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को जारी रखेगी और उन्हें ज्यादा कारगर तरीके से लागू करेगी।

राजधानी दिल्ली के पंडित पंत मार्ग स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र-1 जारी करते हुए पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि यह 'विकसित दिल्ली' की नींव रखने वाला है। उन्होंने कहा, ''विकसित दिल्ली के लिए भाजपा के संकल्प में महिलाओं के सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है।'' अरविंद केजरीवाल नीत आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा

कि उनकी पार्टी की सरकार द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार के सभी आरोपों की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने पर मंत्रिमंडल की पहली बैठक में महिला समृद्धि योजना (2500 रुपए प्रति महीने) और आयुष्मान भारत योजना लागू करने को मंजूरी दी जाएगी।

नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत दिल्ली के लोगों को राज्य सरकार की तरफ से पांच लाख रुपए का अतिरिक्त स्वास्थ्य कवर भी दिया जाएगा। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को पांच लाख रुपए प्रतिवर्ष का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाता है।

उन्होंने कहा, ''यानी कुल 10 लाख रुपए का हेल्थ कवर दिल्लीवासियों को आयुष्मान भारत योजना के तहत मिलेगा।'' उन्होंने आप सरकार के मोहल्ला क्लीनिक को 'भ्रष्टाचार का अड्डा' और लोगों की आंखों में 'धूल झोंकने' वाला कार्यक्रम करार दिया और कहा कि इसमें भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने दावा किया, ''इनके मोहल्ला क्लीनिक में फर्जी लैब टेस्ट हुए हैं और 300 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। हमारी सरकार आने पर इन सबकी पूरी तरह से जांच की जाएगी।''

भाजपा अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र के नाम से जारी करती है। नड्डा ने कहा, ''दिल्ली में जो जन कल्याण की योजनाएं चल रही हैं, वह सारी योजनाएं भाजपा की सरकार बनने पर भी जारी रहेंगी। उन सभी योजनाओं का ज्यादा कारगर तरीके से सुदृढ़ीकरण किया जाएगा और उन्हें भ्रष्टाचार से मुक्त और लोक कल्याण युक्त किया जाएगा।''

आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने 200 यूनिट तक की मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त पानी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा समेत कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं।

हाल ही में उसने सत्ता में वापस लौटने पर महिला सम्मान योजना के तहत हर महिला को प्रतिमाह 2,100 रुपए देने की घोषणा की।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि इससे पिछले सप्ताह में यह 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट आ रही है। इस गिरावट का कारण रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 10 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.47 अरब डॉलर घटकर 536.01 अरब डॉलर रह गईं।डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 79.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.88 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.3 करोड़ डॉलर घटकर 17.78 अरब डॉलर रहा।

सरकार ने आरआईएनएल पुनरुद्धार योजना के लिए 11,440 करोड़ रुपए की मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्ज के बोझ से दबी राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल) के लिए 11,440 करोड़ रुपए की पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दे दी है। एक बयान में यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने आरआईएनएल के लिए 11,440 करोड़ रुपए की पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दे दी है। आधिकारिक बयान में कहा है कि निवेश में आरआईएनएल में शेयर पूंजी के रूप में 10,300 करोड़ रुपए और 1,140 करोड़ रुपए के कार्यशील पूंजी ऋण को सात प्रतिशत गैर-संचयी तरजीही शेयर पूंजी के रूप में परिवर्तित करना शामिल है। इसे 10 वर्षों के बाद भुनाया जा सकेगा, ताकि आरआईएनएल को चालू हालत में रखा जा सके। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस पुनरुद्धार पैकेज से आरआईएनएल की कई पुरानी समस्याएं हल हो जाएंगी। आरआईएनएल में 10,300 करोड़ रुपए की शेयर पूंजी निवेश से उसे कार्यशील पूंजी जुटाने से संबंधित परिचालन संबंधी समस्याओं को दूर करने और सबसे अधिक उत्पादक तरीके से ब्लास्ट फर्नेस परिचालन शुरू करने में मदद मिलेगी।

खाद्य कीमतों पर रखी जा रही कड़ी नजर: केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों और उनकी उपलब्धता पर कड़ी नजर रख रही है। इस पहल का मकसद खाद्य वस्तुओं को उपभोक्ताओं की पहुंच में बनाये रखना और स्थिर मूल्य व्यवस्था को कायम रखना है।

आवश्यक खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता और उसकी कम कीमत सुनिश्चित करने के लिए घरेलू उत्पादन तथा आयात एवं निर्यात नीतियों को प्रोत्साहित करने जैसे उपाय किए जा रहे हैं।

खाद्य मंत्रालय के बयान के अनुसार, ''केंद्र, उपभोक्ताओं और किसानों के हित में मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए समय पर और पहले से ही निर्णय ले रहा है।''

अच्छी बारिश और अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में दालों और प्याज का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहने का अनुमान है। वर्ष 2024-25 में अरहर का उत्पादन 2.5 प्रतिशत बढ़कर 35.02 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष में 34.17 लाख टन था। कृषि मंत्रालय ने अरहर की खरीद के लिए मंजूरी दी है। अधिक बुवाई के कारण खरीफ और देर से आने वाले खरीफ प्याज का उत्पादन अच्छा रहने का अनुमान है। इसी तरह, रबी प्याज की बुवाई भी अच्छी चल रही है। खाद्य मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में घटकर 8.39 प्रतिशत रही, जो अक्टूबर में 10.87 प्रतिशत थी।

घरेलू मांग में तेजी से आर्थिक वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद: आरबीआई बुलेटिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। घरेलू मांग में तेजी लौटने से देश की आर्थिक वृद्धि में मजबूती आने की उम्मीद है। हालांकि, खाद्य मुद्रास्फीति ऊंची बनी होने से स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रखने की जरूरत है। शुक्रवार को जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुलेटिन में यह कहा गया।

जनवरी के बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर प्रकाशित लेख में कहा गया है कि 2025 के लिए आर्थिक परिदृश्य अलग-अलग देशों में भिन्न-भिन्न हैं। इनमें अमेरिका में गति में कुछ कमी, यूरोप और जापान में कमजोर से लेकर मध्यम सुधार, विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में उभरते और विकासशील देशों में अधिक मध्यम वृद्धि तथा मुद्रास्फीति में धीरे-धीरे कमी की स्थिति शामिल है। इसमें कहा गया, महत्वपूर्ण आंकड़ों से यह संकेत मिलता है कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी की उम्मीद है। यह एनएसओ के पहले अग्रिम अनुमानों में इस अवधि के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि के आंकड़े से भी पता चलता है।''

इसमें कहा गया है कि लगातार दूसरे महीने दिसंबर में सकल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति में कमी आई है। हालांकि खाद्य मुद्रास्फीति ऊंची बनी रहने के कारण स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रखने की आवश्यकता है।

यह लेख माइकल पात्रा की अगुआई वाली टीम ने लिखा है। उनका विस्तारित कार्यकाल इस महीने समाप्त हो गया।

मंत्रिमंडल ने 687 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की 'रिफॉर्मिंग' को मंजूरी दी : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मोबाइल सेवाओं के लिए 687 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की 'रिफार्मिंग' को मंजूरी दे दी है।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गठित सचिवों की समिति के अध्ययन के आधार पर अन्य कदम उठाए जाएंगे।

उद्योग संगठन सीओएआई के एक कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि मोबाइल सेवाओं को 2030 तक 2,000 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की आवश्यकता होगी और कैबिनेट के फैसले से रेडियो तरंगों की कुल मात्रा 1,587 मेगाहर्ट्ज हो जाएगी।

डिजिकॉम शिखर सम्मेलन 2025 में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, '' कल मंत्रिमंडल ने 687 मेगाहर्ट्ज की 'रिफार्मिंग' को मंजूरी दे दी है।

इसका मतलब है कि यह हमें 900 मेगाहर्ट्ज से 1,587 मेगाहर्ट्ज तक ले जाएगा। 320 (मेगाहर्ट्ज) तुरंत जारी किया जाएगा, कुछ अगले साल के अंत तक और कुछ 2028-29 के अंत तक जो हमें 2030 के लिए तैयार करेगा।'' उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि उद्योग की आवश्यकताएं पूरी हों और देश के डिजिटल दूरसंचार परिदृश्य में कोई बाधा न आए।

सिंधिया ने कहा, '' इसके बाद भी करीब 300 मेगाहर्ट्ज का अंतर रह जाता है। मांग अभी खत्म नहीं हुई है। सचिवों की समिति इसके दूसरे दौर पर काम कर रही है। रिपोर्ट इस साल के मध्य तक आ जाएगी। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि भारत में हमारे डिजिटल दूरसंचार परिदृश्य के विकास में कोई बाधा न आए।''

'बड़े मियां' और 'छोटे मियां' की नूराकुश्ती में दिल्ली फुटबाल बनकर रह गई है : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के साथ मिलकर 'डबल फ्रॉड' किया है तथा इस 'ऐक्ट ऑफ फ्रॉड' (जालसाजी के कृत्य) के लिए राष्ट्रीय राजधानी के लोग इन दोनों दलों को माफ नहीं करेंगे। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए यह दावा भी किया कि 'बड़े मियां' और 'छोटे मियां' की नूराकुश्ती में दिल्ली फुटबाल बनकर रह गई है।

खेड़ा ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस द्वारा विधानसभा चुनाव में घोषित विभिन्न गारंटी का उल्लेख किया और कहा कि चुनावी वादों को सिर्फ उनका दल ही पूरा कर सकता है। दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए पांच फरवरी को मतदान होना है। मतगणना आठ फरवरी को होगी।

मुख्यमंत्री नायडू दूरदर्शिता और विकास दरों के नाम पर समय काट रहे : वाई एस शर्मिला

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने तथा दूरदर्शिता एवं विकास दर की आड़ में समय काटने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस समिति की अध्यक्ष वाई एस शर्मिला ने शुक्रवार को इस बात पर बल दिया कि विशेष श्रेणी का दर्जा (एससीएस) राज्य के लिए एकमात्र उपाय है। विपक्षी नेता ने कहा कि राज्य के समक्ष मौजूद सभी कठिनाइयों के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा (एससीएस) ही एकमात्र उपाय है, चाहे वह विकास का मुद्दा हो या धन प्राप्ति का या उद्योग स्थापित करने का या युवाओं के लिए रोजगार सृजन का मुद्दा हो। शर्मिला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''लोगों ने आप पर (नायडू पर) भरोसा किया और आपको वोट देकर सत्ता में पहुंचाया लेकिन आपने दूरदर्शिता एवं विकासदर की आड़ में समय बिताने के लिए वादों को दरकिनार कर दिया।'' शर्मिला की यह टिप्पणी नायडू के 'स्वर्णआंध्र 2047 विज़न' तथा हाल में जारी जीएसडीपी वृद्धि अनुमान के मद्देनजर आई है, जिसमें वार्षिक वृद्धि दर 15 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

बसपा ने दिल्ली के लिए 70 प्रत्याशियों की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। बसपा के केंद्रीय समन्वयक नितिन सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''इस सूची में प्रमुख अनुभवी नेता और नए चेहरे दोनों हैं।'' उन्होंने कहा, ''लाल सिंह गोकलपुर से, सुंदर लोहिया घोंडा से, मुकेश कुमार कोंडली से और हमारे प्रमुख चेहरों में से एक जुगवीर सिंह किराड़ी सीट से चुनाव लड़ेंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ने कई नए उम्मीदवारों को अवसर दिया है तथा ऐसा करके जमीनी मुद्दों को सुलझाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की उनकी क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया है। यह घोषणा नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन की गई। दिल्ली में पांच फरवरी को विधानसभा चुनाव है। परिणाम की घोषणा आठ फरवरी को की जाएगी।

एमजी मोटर ने दो नए मॉडलों के साथ किफायती लक्जरी खंड में कदम रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाहन विनिर्माता जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने शुक्रवार को दो नए इलेक्ट्रिक मॉडल के साथ किफायती लक्जरी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में कदम रखने की घोषणा की।

कंपनी ने यहां आयोजित वाहन प्रदर्शनी 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' के पहले दिन भारत की पहली पूर्ण-इलेक्ट्रिक रोडस्टर 'एमजी साइबरस्टर' और तीन कतार वाली पहली इलेक्ट्रिक लिमोसिन 'एमजी एम9' का अनावरण किया। इन दोनों मॉडलों को इसी साल बाजार में उतारे जाने की योजना है।

कंपनी ने अपने नए लक्जरी ब्रांड चैनल एमजी सेलेक्ट के तहत इन नए मॉडलों को सार्वजनिक रूप से पेश किया।

इस अवसर पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक पार्थ जिंदल ने पीटीआई-भाषा से कहा, आज भी भारत में ईवी की पहुंच बहुत कम है। यह कुल बाजार का सिर्फ दो से 2.2 प्रतिशत है। हम इस अनुपात को वर्ष 2030 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम हर तीन से छह महीने में नए उत्पाद लाने और इस खंड का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने कहा कि एमजी साइबरस्टर और एम9 मॉडल पेश होने के साथ उसके पास जल्द ही सबसे बड़ा ईवी पोर्टफोलियो होगा। एमजी विंडसर, एमजी कॉमेट और एमजी जेडएस पहले से ही इसके ईवी बेड़े में शामिल हैं।

हीरो मोटोकॉर्प ने चार नए उत्पाद पेश किए, 250 सीसी खंड में भी कदम रखा

नई दिल्ली/भाषा। देश की अग्रणी दोपहिया विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने शुक्रवार को प्रीमियम मोटरसाइकिल और स्कूटर खंडों में कुल चार नए उत्पादों को पेश किया।

हीरो मोटोकॉर्प ने यहां आयोजित वाहन प्रदर्शनी 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' में एक्सट्रीम 250आर बाइक को पेश करने के साथ पहली बार 250 सीसी खंड में कदम रखा।

इसके साथ ही कंपनी ने एक्सपल्स 210 मॉडल को पेश कर अपने एक्सपल्स पोर्टफोलियो का विस्तार भी किया।

हीरो मोटोकॉर्प ने दो नए स्कूटरों- जूम 125 और जूम 160 को भी पेश किया।

राजौरी के गांव में हुईं 16 रहस्यमयी मौतों की जांच में तेजी लाएं: उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को राजौरी जिले के बुधल गांव में रहस्यमयी बीमारी पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाई। इस गांव में रहस्यमयी बीमारी से 16 लोगों की मौत हो गई है।

उन्होंने स्वास्थ्य एवं पुलिस अधिकारियों को जांच में तेजी लाने तथा मौतों के कारणों का पता लगाने के निर्देश दिए। अब्दुल्ला ने बैठक में कहा, इन मौतों की अस्पष्ट प्रकृति बेहद चिंताजनक है। सरकार मूल कारण का पता लगाने और हमारे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी विभागों को सहयोग करना चाहिए और इस मुद्दे को हल करने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जनता को आश्वासन दिया कि प्रशासन ने इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

अब्दुल्ला ने कहा, हमारे लोगों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस संकट को हल करने और शोक संतप्त परिवारों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बैठक में राज्य के अन्य शीर्ष अधिकारियों के अलावा स्वास्थ्य मंत्री सकीना इटू और मुख्य सचिव अटल डुल्लू भी शामिल हुए।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव ने अब्दुल्ला को अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रभावित क्षेत्र में 3,000 से अधिक निवासियों के घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया है तथा पानी, भोजन और अन्य सामग्रियों के नमूने एकत्रित कर उनकी जांच की है। उन्होंने कहा, इन्फ्लूएंजा और संभावित संदूषकों सहित सभी परीक्षण परिणाम निगेटिव आए हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बैठक में बताया कि ये मौतें एक-दूसरे से 1.5 किमी के दायरे में रहने वाले तीन परिवारों तक सीमित थीं। घटनाओं के पीछे किसी भी संभावित संबंध या कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग पिछले 40 दिनों से (जब पहली मौत हुई थी) इस क्षेत्र में सक्रिय उपस्थिति बनाए हुए है तथा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस, दवाएं और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। शुक्रवार को अज्ञात कारणों से 60 वर्षीय जट्टी बेगम की मौत हो गई। एक अन्य लड़की अभी भी अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। मृतक राजौरी जिले के कोटरंका उप-मंडल के बुधल गांव के हैं। पिछले साल दिसंबर से अब तक तीन परिवारों के 16 सदस्यों की मौत हो चुकी है, जिनमें से सात की मौत रविवार को हुई।

अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों के तीन घरों को सील कर दिया है और उनके 21 करीबी रिश्तेदारों को कड़ी निगरानी में रखने के लिए सरकारी आवास में स्थानांतरित कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि अतिरिक्त उपायुक्त दिल मीर के नेतृत्व में एक टीम ने अभियान चलाया तथा घटनास्थल पर सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए।

ग्लेशियरो, पेड़-पौधों और प्रकृति की रक्षा के लिए मतदान करना होगा: सोनम वांगचुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों से पर्यावरण के मुद्दों पर मतदान करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने का आग्रह करते हुए कहा कि ग्लेशियरों को पिघलने से रोकने, पौधों को बचाने और प्रकृति मां की रक्षा के लिए वोट डाला जाना चाहिए।

लद्दाख के छात्रों के शैक्षिक और सांस्कृतिक आंदोलन के संस्थापक-निदेशक, 58 वर्षीय हरित कार्यकर्ता वांगचुक ने बृहस्पतिवार को शहर में एक कार्यक्रम में कहा, ''आदर्श रूप से, हमारे पास विधायी और संसदीय निकायों में ऐसे जनप्रतिनिधि होने चाहिए जो पर्यावरण और जलवायु मुद्दों पर निरंतर और अधिक सक्रियता से काम करें।'' उन्होंने नागरिकों को ''लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग करने तथा मतपत्र (ईवीएम) का उपयोग करने'' के लिए प्रोत्साहित किया। एक गैर सरकारी संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'प्रकृति, लद्दाख और जलवायु परिवर्तन पर चिंतन: सोनम वांगचुक के साथ बातचीत' में वांगचुक से पूछा गया कि क्या वे अपने हरित मिशन में किसी राजनीतिक दल का समर्थन करेंगे? उन्होंने कहा ''मैं कहूंगा कि अगर (पर्यावरण को बचाने में) कोई बदलाव नहीं होता है, तो सरकार को बदलना होगा। लेकिन हर पार्टी को हरित पार्टी में बदलना चाहिए, बजाय इसके कि लोग व्यक्तिगत रूप से किसी बड़े राजनीतिक नेता से संपर्क करें। यही हमारा मिशन होना चाहिए।'' वर्ष 2009 में आई आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स' में फुनसुख वांगडू के काल्पनिक चरित्र की प्रेरणा देने के लिए चर्चित वांगचुक ने कहा कि किसी भी उचित कारण और भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लंबे समय में वांछित परिणाम देती है। रामन मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित पर्यावरण कार्यकर्ता ने कहा ''150 साल पहले, अमेरिका में गोरों के एकमात्र अधिकार क्षेत्र से लंबी लड़ाई के बाद अश्वेतों के मतदान के अधिकार समुदाय द्वारा छीन लिए गए थे। इसी तरह, भारत में 1920 के दशक में महिलाओं के अधिकार दिए थे, और वर्तमान में महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर रखना अकल्पनीय है।''

प्रधानमंत्री, अन्नाद्रमुक महासचिव, तमिलनाडु के मंत्रियों ने एमजीआर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडापड्डी के पलानीस्वामी ने शुक्रवार को एमजीआर नाम से लोकप्रिय पार्टी संस्थापक और तमिलनाडु के दिवंगत मुख्यमंत्री एम जी रामचंद्रन की 108वीं जयंती पर यहां उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं श्री एमजीआर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। गरीबों को सशक्त करने और बेहतर समाज के निर्माण के प्रति उनके प्रयासों से हम सभी बहुत प्रेरित हैं।

रोयापेट्टा में अन्नाद्रमुक मुख्यालय में एमजीआर के जयंती समारोह की अगुवाई करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से क्रांतिकारी नेता एमजीआर के स्वर्णिम शासन काल को' फिर लाने के लिए जुट जाने की अपील की। पलानीस्वामी ने इस मौके पर 108 किलोग्राम का केट काटा और उसे वहां पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच बांटा।

एम जी रामचंद्रन (17 जनवरी, 1917–24 दिसंबर, 1987) तमिलनाडु की राजनीति में एक प्रतिष्ठित नेता रहे। उन्हें तमिल फिल्मों में प्रेरक भूमिकाएं निभाने के लिए भी याद किया जाता है। उन्हें अक्सर उनके अनुयायी एक ऐसे नेता के रूप में याद करते हैं जिन्होंने गरीबों के आंसू पोंछे। उन्हें उनके शुरुआती नामों (एमजीआर) से जाना जाता है।

पलानीस्वामी ने 'एक्स' पर लिखा, ''आइए हम सब इस दिन संकल्प लें कि तमिलनाडु में इन क्रांतिकारी नेता के स्वर्णिम शासन को फिर लाने में पूरे मन से जुटेंगे। हमारे राजनीतिक विरोधी लोकतंत्र को बाधित करने के लिए चाहे जितनी भी बाधाएं खड़ी करें, हम सबका कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि हम उनके प्रयासों को विफल करें और राज्य के लोगों को सुशासन प्रदान करें।''

पी के सेकर बाबू समेत राज्य के मंत्रियों एवं चेन्नई के महापौर आर प्रिया ने यहां गिंडी में एमजीआर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम ने यहां अलग से एमजीआर की प्रतिमा पर माला चढ़ाई। उनके साथ उनके कुछ साथी थे। तमिलगा वेत्री कझगम के संस्थापक अभिनेता विजय ने एक्स' पर लिखा कि एमजीआर ने अत्यधिक गरीबी सहित सभी बाधाओं को पार पाया और तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में केंद्रीय स्थान प्राप्त कर विजेता के रूप में उभरे। तमिलनाडु प्रदेश भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दिवंगत नेता ने हाशिए पर पड़े वर्गों की तरक्की पर ध्यान दिया और उन दूरदर्शी परियोजनाओं को लागू किया जिससे पूरे तमिल समुदाय में सुधार हुआ।

मुख्यमंत्री स्टालिन को सड़क की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए : प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने बताया कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की राय के मुताबिक, तमिलनाडु सरकार को सरकारी काम पूरा न करने वाले ठेकेदारों और इंजीनियरों को बिना जमानत के गिरफ्तार करने के लिए कानून बनाना चाहिए। फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज की ओर से दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, ''गड्ढों वाली सड़कों के अनुचित निर्माण को 'गैर-जमानती अपराध' बनाया जाना चाहिए। सड़क बनाने वाले ठेकेदारों और इंजीनियरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाना चाहिए। यह बहुत स्वागत योग्य है। खासकर तमिलनाडु में इसे लागू किया जाना चाहिए। सैकड़ों करोड़, हजारों करोड़ रुपये की लागत से राजमार्ग, फ्लाईओवर, विभिन्न सरकारी भवन बनाए जाते हैं। लेकिन अगर इन्हें ठीक से स्थापित न किया जाए तो ये जल्द ही क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, टूट जाते हैं और बारिश के पानी में बह जाते हैं। इससे लोगों के टैक्स का पैसा बर्बाद होता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि ठेकेदारों और इंजीनियरों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए ताकि वे जमानत पर न आ सकें।

प्रसाद ने बताया कि हाल ही में हुई तमिलनाडु विधानसभा की बैठक में जब एआईएडीएमके सदस्य ने यह मांग उठाई तो तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरई मुरुगन ने उपहास उड़ाया। लोगों के कर के पैसे से बनी कोई भी संरचना तब तक उतनी ही प्रभावी होनी चाहिए, जब तक वह जिस उद्देश्य के लिए बनाई गई है। इसे सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है। उसी कर्तव्य को समझते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपनी बात कही है। तमिलनाडु में हाल ही में हुई बारिश के दौरान बांध बह गया।

तमिलनाडु में नगर निगमों और स्थानीय सरकारों में स्थानीय शासन विभाग द्वारा बनाई जाने वाली सड़कों का निर्माण घटिया तरीके से किया जा रहा है। इस तथ्य को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों में बिछाई गई सड़कों की जांच से समझा जा सकता है। वर्तमान समय में घटिया सड़कों से परे सड़कों के किनारे जिस फुटपाथ पर लोग चलते हैं उसका निर्माण भी घटिया तरीके से किया जाता है। कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण सड़क पल्लवन रोड और पेपर मिल रोड फुटपाथ का निर्माण वर्तमान में बहुत खराब तरीके से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में, चेन्नई निगम आयुक्त, क्षेत्रीय आयुक्त आदि सड़क कार्यों की गुणवत्ता और सड़क किनारे अतिक्रमण की सीधे निगरानी नहीं करते हैं।

प्रसाद ने विज्ञप्ति में कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तमिलनाडु के स्थानीय सरकार मंत्री नेहरू ने जिला राजनीति से परे राज्य भर में चल रही विकास परियोजनाओं, सड़कों और ग्रामीण विकास परियोजनाओं पर किसी भी प्रकार की जांच नहीं की। समारोह के नायक के रूप में वह सभी नगर निगमों में जाते हैं और प्रेस के सामने डींगें हांकते हैं और केवल लोक निर्माण विभाग में डीएमके समर्थित ठेकेदारों के विकास की परवाह करते हैं। इसलिए, तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में घटिया सड़कें, फुटपाथ और निर्वाचन क्षेत्र विकास परियोजनाएं हैं। इसलिए, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार, यदि सड़क, फ्लाईओवर और सरकारी भवनों का निर्माण ठीक से नहीं किया जाता है, तो तमिलनाडु सरकार को ठेकेदार, इंजीनियर और संबंधित सरकारी अधिकारियों सहित सभी को गिरफ्तार करने के लिए कानून बनाना चाहिए ताकि वे जमानत पर बाहर न आ सकें। प्रसाद ने कहा कि अगर तमिलनाडु में ऐसा कानून आने से ही भ्रष्टाचार काफी हद तक कम हो जाएगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को तुरंत जागना चाहिए और सरकारी कार्यों को ठीक से निष्पादित नहीं करने वाले ठेकेदारों और इंजीनियरों को गिरफ्तार करने के लिए एक कानून बनाना चाहिए ताकि वे प्रभावित तमिलनाडु और फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए जमानत पर बाहर न आएं।

अभिनेता विजय की पार्टी ने इरोड पूर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता-राजनीतिक नेता विजय के नेतृत्व वाली तमिझगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने शुक्रवार को कहा कि वह पांच फरवरी को इरोड पूर्व विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव का बहिष्कार करेगी। कुछ दिन पहले, मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक, भाजपा और डीएमडीके ने भी यही रुख जाहिर किया था।

टीवीके महासचिव एन आनंद ने दावा किया कि इतिहास गवाह है कि सत्तारूढ़ दल अलोकतांत्रिक तरीके से राज्य में उपचुनाव जीतते हैं। एक बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल (द्रमुक) द्वारा सत्ता का दुरुपयोग आम चुनाव की तुलना में उपचुनावों में कई गुना अधिक होता है।

उन्होंने कहा कि इसलिए विक्रवंडी उपचुनाव में पार्टी द्वारा अपनाए गए रुख के समान इरोड पूर्व उपचुनाव का बहिष्कार किया जाएगा और उनकी पार्टी किसी भी दल का समर्थन नहीं करेगी। दिसंबर 2024 में कांग्रेस नेता ईवीकेएस एलंगोवन की मृत्यु हो जाने के कारण इरोड पूर्व सीट रिक्त हुई है। वह इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने हाल में पूर्व विधायक वी सी चंद्रकुमार को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

सद्गुरु गुरुकुलम संस्कृति के छात्र तमिलनाडु में थेवरम भजन प्रस्तुत करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 17 जनवरी से सद्गुरु गुरुकुलम संस्कृति के छात्र तमिलनाडु भर के प्रसिद्ध शिव मंदिरों में थेवरम भक्ति भजन प्रस्तुत करेंगे। थेवरम में तीन नयनमारों- संबंदर, थिरुनावुक्कारसर और सुंदरर द्वारा भगवान शिव की स्तुति में गाए गए भजन शामिल हैं।

अधिकांश भारतीय शास्त्रीय संगीत प्रणालियों से पहले की प्राचीन संगीत शैली में प्रस्तुत ये गीत सातवीं शताब्दी में दक्षिण भारत में फैली भक्ति की लहर की जानकारी देते हैं। पहले कार्यक्रम का उद्घाटन पेरूर अधीनम थवथिरु संथालिंग मरुधाचल आदिगलर की उपस्थिति में किया जाएगा। इस पहल के बारे में शुक्रवार को चेन्नई प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कार्यक्रम में बोलते हुए, थेनकैलाया भक्ति पेरावई के एक स्वयंसेवक बालासुब्रमण्यम ने कहा, पेरूर अधीनम के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में और थेवरा नयनमारों के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति के रूप में, जिन्होंने हमें थेवरम का दिव्य उपहार दिया, संस्कृत के छात्र, सद्गुरु के मार्गदर्शन में, तमिलनाडु भर में पंद्रह से अधिक प्रसिद्ध मंदिरों में भक्ति भजन प्रस्तुत करेंगे। इस पहल का उद्देश्य आज के युवाओं के बीच थेवरम के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी है। तमिलनाडु के विभिन्न क्षेत्रों में थेवरम की पेशकश करने के लिए सद्गुरु गुरुकुलम संस्कृति के पचास से अधिक छात्रों को चार समूहों में विभाजित किया गया है। यह श्रृंखला 17 जनवरी को पेरूर अधीनम में शुरू होगी और इसके बाद 18 जनवरी को कामचिपुरम अधीनम, तिरुचेंगोडे अरुल्मिगु थिरु अर्थनारीश्वर मंदिर, कांचीपुरम श्री कचाबेश्वर मंदिर और चेन्नई के अरुलमिगु मारुंडीस्वरार मंदिर में कार्यक्रम होंगे। 19 जनवरी को, कार्यक्रम सिरवई अधीनम, मयिलाई कपालेश्वर मंदिर, विरिंचीपुरम मार्गबंदेश्वर मंदिर, कोडुमुडी श्री मगुटेश्वर मंदिर, तिरुवनाईकवल जंबुकेश्वर अकिलंदेश्वरी मंदिर और वेल्लोर जलकंडेश्वर मंदिर में होंगे। थेवरम भक्ति गायन श्रृंखला का समापन 20 जनवरी को तिरुवन्नामलाई अरुलमिगु अरुणाचलेश्वर मंदिर में होगा। सदियों से, थेवर भजन शिव भक्तों द्वारा गाए जाते रहे हैं और पूरे तमिलनाडु में मंदिर के पुजारियों द्वारा गाए जाते रहे हैं। इस समृद्ध परंपरा को जारी रखते हुए, सद्गुरु गुरुकुलम संस्कृति के छात्रों को छोटी उम्र से थेवरम में प्रशिक्षित किया गया है। संस्कृत के छात्र महाशिवरात्रि, नवरात्रि, गुरु पूर्णिमा और ध्यानलिंग प्रतिष्ठा दिवस जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों के दिनों में हजारों भक्तों के सामने भजन प्रस्तुत करते रहे हैं।

थरूर ने केरल सरकार से मुनंबम में वक्फ भूमि विवाद को शीघ्र सुलझाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बृहस्तिवार को केरल सरकार से मुनंबम में वक्फ भूमि विवाद को सुलझाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता ने सरकार से अपील की कि इसे सांप्रदायिक मुद्दा नहीं बनाया जाए।

एर्णाकुलम जिले के चेराई और मुनंबम के निवासियों का आरोप है कि वक्फ बोर्ड उनकी भूमि और संपत्ति पर अवैध रूप से दावा कर रहा है, जबकि उनके पास पंजीकृत दस्तावेज और भूमि कर रसीदें हैं। मुनंबम गांव के प्रदर्शनकारियों ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से वक्फ बोर्ड के साथ जारी उनके भूमि विवाद का स्थायी समाधान खोजने का आग्रह किया है। पिछले 96 दिनों से अनशन पर बैठे स्थानीय लोगों से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए थरूर ने कहा, यह मुस्लिम-ईसाई मुद्दा नहीं है, यह तकनीकी-कानूनी मुद्दा है और इसे उसी तरह से सुलझाया जाना चाहिए।

उन्होंने राज्य सरकार से इस मुद्दे को हल करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह करते हुए कहा, इसलिए इसे सांप्रदायिक विवाद का रंग नहीं दिया जाए। यह एक प्रशासनिक, कानूनी गड़बड़ी है जिसे जल्द से जल्द स्पष्ट किया जाना चाहिए। तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा, मेरी अपील है कि किसी को भी अब और इंतजार नहीं करना चाहिए और राज्य सरकार को जो कुछ हुआ है, उसके बारे में तथ्यों को दर्ज करने में देरी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, जो न्यायिक प्रक्रिया शुरू हुई है, उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए ताकि इन लोगों को उनकी जमीन मिल सके।

भारत की आजादी के बारे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने कहा, स्वतंत्रता बहुत सारे लोगों के बलिदान और कड़ी मेहनत से मिली है, जिसकी शुरुआत हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से होती है। भागवत ने कहा था कि ''भारत को राम मंदिर के निर्माण के बाद सच्ची आजादी'' मिली।

जल्लीकट्टू, मंजुविरट्टू की घटनाओं में सात लोगों की मौत, कई घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में कानुम पोंगल के दिन आयोजित जल्लीकट्टू और मंजुविरट्टू आयोजनों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों में ज्यादातर दर्शक और सांड का एक मालिक था। पुलिस ने बताया कि अलग-अलग घटनाओं में दो सांडों की भी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि पुदुक्कोट्टई में आयोजन के दौरान एक सांड की मौत हो गई, जबकि शिवगंगा के सिरावयाल मंजुविरट्टू में एक सांड और उसके मालिक की मौत हो गयी।

शिवगंगा जिले के सिरावयाल में मंजुविरट्टू में, नादुविकोट्टई किला आवंधीपट्टी गांव के थानीश राजा इस आयोजन में हिस्सा लेने के लिये अपने सांड को लेकर आए थे। उन्होंने बताया कि राजा की सांड के साथ उस वक्त मौत हो गयी जब सांड मैदान से भागते समय कंबनूर में एक खेत के कुएं में गिर गया। पुलिस ने बताया कि राजा पशु को पकड़ने के लिए कुएं में कूद गए थे। उनकी और उनके सांड की डूबने से मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मंजुविरट्टू में लगभग 130 लोग घायल हुए। मंजुविरट्टू में चारा डालने वाले 150 लोगों ने और 250 सांड ने हिस्सा लिया। देवकोट्टई निवासी सुब्बैया नामक एक दर्शक को एक सांड ने सींग मार दिया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मदुरै के अलंगनल्लूर में वादीपट्टी के पास मेट्टुपट्टी गांव के 55 वर्षीय दर्शक पी पेरियासामी की गर्दन पर एक उग्र सांड ने सींग मार दिया। इस गांव में कम से कम %0 लोग घायल हो गए, जिनमें से अधिकतर दर्शक थे। मदुरै के राजाजी सरकारी अस्पताल में पेरियासामी को मृत घोषित कर दिया गया। तिरुचिरापल्ली, करूर और पुदुकोट्टई जिलों में चार अलग-अलग जल्लीकट्टू आयोजनों में दो दर्शकों की मौत हो गयी तथा सांड मालिकों और सांड प्रशिक्षकों समेत 148 अन्य लोग घायल हो गए। पुदुकोट्टई जिले में वन्नियान विदुथी जल्लीकट्टू में करीब 19 लोग घायल हो गए।

भारत की स्वतंत्रता पर आरएसएस प्रमुख की टिप्पणी 'राष्ट्र-विरोधी' : वेणुगोपाल

अलप्पुझा/भाषा। कांग्रेस महासचिव और अलप्पुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी 'राष्ट्र विरोधी' है और इसके लिए उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। भागवत ने कहा था कि भारत को राम मंदिर के निर्माण के बाद 'सच्ची स्वतंत्रता' मिली है। वेणुगोपाल ने भागवत के बयान को लेकर पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि यह टिप्पणी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और उसमें शामिल सभी स्वतंत्रता सेनानियों व 'शहीदों का अपमान' भी है।

उन्होंने कहा, मोहन भागवत ने पूरे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को खारिज कर दिया तथा यह कहकर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों का अपमान किया है कि भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि भागवत के बयान ने आरएसएस और भाजपा का असली चेहरा दिखा दिया है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया था। वेणुगोपाल ने कहा, इस राष्ट्र विरोधी बयान के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। वेणुगोपाल ने जानना चाहा आरएसएस प्रमुख की टिप्पणी के संबंध में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का क्या विचार है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने त्रिप्पूणितुरा के अमेदा नागराज मंदिर में पूजा अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। संगठनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लेने केरल आए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार सुबह त्रिप्पुनितुरा स्थित अमेदा नागराज मंदिर में जाकर 'सप्त मातृ' और 'नाग' देवताओं की पूजा-अर्चना की।

आरएसएस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक भागवत ने 'पुल्लुवन' गीत सुना और मंदिर में 'नाग' देवताओं की पूजा अर्चना की। विज्ञप्ति के मुताबिक भागवत ने मंदिर में सप्त मातृ यानी सात देवियों ब्राह्मणी, माहेश्वरी, कुमारी, वैष्णवी, वराही, इंद्राणी और चामुंडी की पूजा अर्चना की।

मंदिर पदाधिकारियों ने फूलों की माला से उनका स्वागत किया और उन्हें चांदी से बनी 'सप्त मातृ नाग' प्रतिमा भेंट की, जिसमें ग्लोब को पांच मुंह वाले सांप के ऊपर रखा गया है तथा पीठ पर सात देवियों की छवियां अंकित हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक आरएसएस प्रमुख ने मूर्तिकार एम. एल. रमेश को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया, जो तपस्या कला साहित्य वेदी की त्रिप्पुनितुरा इकाई के अध्यक्ष भी हैं।

संगठन के एक सूत्र ने बताया कि भागवत कुछ संगठनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए 16 से 21 जनवरी तक केरल में हैं और इस दौरान उनकी कोई सार्वजनिक बैठक या मीडिया से बातचीत नहीं होगी। सूत्र ने बताया कि आरएसएस प्रमुख फरवरी में दो दिन के लिए फिर से केरल आएंगे और उस दौरान जनसभाएं करेंगे।

प्रदेशवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि चिकित्सक संवेदनाओं के साथ कर्तव्य का निर्वहन करते हुए स्वस्थ राजस्थान की हमारी संकल्पना को साकार करने में अहम भागीदारी निभा रहे हैं। प्रदेशवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम 'आपणो स्वस्थ राजस्थान' की संकल्पना पर काम करते हुए उत्कृष्ट एवं खुशहाल राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सक अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं तथा आगामी बजट के लिए इनके द्वारा दिए गए सुझाव आमजन के लिए लाभकारी हैं। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चिकित्सा के महत्व को समझते हुए हमनें गत बजट में कुल बजट का रिकॉर्ड 8.26 प्रतिशत चिकित्सा के लिए आवंटित किया। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रसव, मातृ-शिशु मृत्यु दर, टीकाकरण, चिकित्सा संस्थानों की उपलब्धता सहित कई मानकों में राजस्थान का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश की चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पिछले एक साल में अनेक कदम उठाए गए हैं। आमजन को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) के माध्यम से 25 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए 73 डे केयर पैकेज, शिशुओं के उपचार के लिए 419 पीडियाट्रिक पैकेज, 8 लाख वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैशलेस उपचार जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। साथ ही, मा वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को अधिकृत निजी सोनोग्राफी केंद्रों से सोनोग्राफी कराने की निःशुल्क सेवा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों का हैल्थ रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश में करीब 6 करोड़ लोगों की आभा आईडी बनाई जा चुकी है। इसमें राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवश्यकतानुसार सीएचसी, पीएचसी, एसएचसी, ब्लॉक पब्लिक हैल्थ यूनिट सहित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का निर्माण करवाया गया है। प्रदेश में 11 हजार 571 संस्थान आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में क्रियाशील किए जा चुके हैं, इनसे करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के करीब 21 हजार पदों पर नियुक्ति दी हैं। चिकित्सा विभाग में लगभग 50 हजार पदों पर भर्ती का लक्ष्य है, जिसे हम जल्द पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि आमजन के लिए ई-संजीवनी के माध्यम से टेलीमेडिसिन की सुविधा, 1 लाख 67 हजार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी की गई है। राज्य को टीबी मुक्त प्रदेश बनाने के लिए 'टीबी मुक्त ग्राम पंचायत' अभियान आयोजित किया जा रहा है।

'नीट' की तैयारी कर रहे छात्र ने की आत्महत्या, कोटा में इस साल खुदकुशी का तीसरा मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे ओडिशा के 18 वर्षीय एक छात्र ने अपने छात्रावास के कमरे में फंदे से लटक कर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि यह घटना बृहस्पतिवार रात विज्ञान नगर के आंबेडकर कॉलोनी में हुई। पुलिस के अनुसार, ओडिशा के मयूरभंज जिले का रहने वाला अभिजीत गिरी अप्रैल 2024 से नीट की तैयारी कर रहा था और उसने यहां के एक कोचिंग संस्थान में प्रवेश लिया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना उस वक्त सामने आई जब रात करीब आठ बजे भोजनालय का एक कर्मचारी अभिजीत के कमरे में खाना देने गया।

सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) लाल सिंह तंवर ने कहा कि कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर कर्मचारी ने छात्रावास के कुछ छात्रों के साथ जबरन दरवाजा खोला। दरवाजा खुलने पर अभिजीत का शव पंखे से बंधे एक फंदे से लटका पाया गया। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया, जो छात्र के परिवार के आने के बाद किया जाएगा। एएसआई ने कहा कि परिजनों को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। अधिकारी ने कहा कि छात्रावास के कमरे में छत का पंखा आत्महत्या रोकथाम उपकरण से सुसज्जित नहीं था, जबकि जिला प्रशासन ने छात्रावासों में आत्महत्या को रोकने के लिए इस उपकरण के लगाए जाने को अनिवार्य किया था।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि अभिजीत पढ़ाई में अच्छा था और नियमित रूप से कोचिंग कक्षाओं में जाता था। कोटा में इस साल किसी कोचिंग छात्र द्वारा की गई आत्महत्या की यह तीसरी घटना है। कोचिंग संस्थानों के लिए एक प्रमुख केंद्र रूप में उभरे कोटा में 2024 में खुदकुशी के ऐसे 17 मामले सामने आये थे।

शैक्षिक सम्मेलन से शिक्षकों को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलने का अवसर मिलेगा : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर का राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 2025 शुक्रवार को सीकर जिले के बाबा खीवादास पीजी महाविद्यालय सांगलिया में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी व नगरीय विकास एवं स्वायत शासन राज्य मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा थे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन में शामिल होकर सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में नये विचारों,योजना और नवाचारों को प्रोत्साहित करते है। उन्होंने कहा कि राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर द्वारा किये जा रहे इस आयोजन के माध्यम से शिक्षकों को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलने का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सकेगा।

हमेशा मानव एवं जीव सेवा को प्राथमिकता देते हुए समाज को जागरूक किया तथा शिक्षित एवं सशक्त समाज पर बल दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक संघ अंबेडकर शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करने का कार्य निरंतर कर रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर ने हमेशा शिक्षित समाज की कल्पना की थी तथा उनके आदर्श आज भी अनुकरणीय हैं। उन्होंने बताया कि संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के सम्मान में सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाए जाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि शिक्षक का कार्य विद्यार्थी को शिखर तक ले जाना होता है। हमारी भारतीय संस्कृति में गुरु को त्रिदेव के सम्मान माना गया है। उन्होंने शिक्षक संघ की सभी समस्याओं एवं मांगों को यथासंभव पूरा करने की बात कही।

इससे पूर्व उन्होंने सांगलिया में बाबा खींवादास जी महाराज की धूनी पर जाकर दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर पीठाधीश श्री श्री 108 ओम दास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में नगरीय विकास व स्वायत्त शासन राज्य मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के पदाधिकारी आज के शिक्षक सम्मेलन में शिक्षा संबंधी सुधारों के सुझाव एवं प्रस्ताव राज्य सरकार तक पहुंचाएं ताकि शिक्षा में आवश्यक सुधार किए जा सके। उन्होंने कहा कि हम मैकाले की शिक्षा नीति से बाहर निकलकर देश की स्वदेशी गुरुकुल शिक्षा पद्धति को समझें क्योंकि यह पद्धति जीवन के हर पहलू को शिक्षित करती है।

उन्होंने कहा कि शिक्षक डॉ.भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को जीवन में उतारकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शिक्षक संत रविदास जी की तरह स्वयं को प्रतिस्थापित करें। उन्होंने शिक्षक संघ के पदाधिकारीयों को नई शिक्षा नीति में आवश्यक सुधारों से संबंधित सुझाव देने की बात कही। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें ताकि भावी पीढ़ी को शिक्षित एवं संस्कारवान बनाया जा सके। केवल पुस्तक पढ़ कर विद्या प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, जब तक विद्यार्थी आपकी बात नहीं समझेंगे तब तक शिक्षकों की मेहनत सफल नहीं होगी। इस अवसर पर शिक्षक संघ द्वारा शिक्षकों की समस्याओं से संबंधित मांगपत्र उन्हें सौंपकर अपनी बात रखी।

आजादी की लड़ाई से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों से खिलवाड़ कर रहे हैं भाजपा के लोग : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लोगों ने देश की आजादी की लड़ाई से जुड़े

ऐतिहासिक तथ्यों से खिलवाड़ का अभियान चलाया हुआ है। गहलोत ने 'एक्स' पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान का हवाला दिया। खरगे ने कहा था कि जो लोग अपने इतिहास को तोड़ने-मरोड़ते हैं वे कभी इतिहास नहीं बना पाते। गहलोत के अनुसार, भाजपा-आरएसएस के लोगों ने आजादी की लड़ाई और उससे जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों से खिलवाड़ करने का अभियान चलाया हुआ है। इतिहास और वर्तमान में तमाम ऐसे उदाहरण हैं जब सत्ता में आए एक तरह की सोच के संगठनों ने इतिहास को गलत तथ्यों से लिखने की कोशिश की पर वे इतिहासकारों की नजर में मजाक का पात्र बन गए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई में महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, भगत सिंह, मौलाना आजाद समेत तमाम नेताओं का विशेष योगदान रहा, जो इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया और हमेशा अमिट रहेगा। इससे वे (भाजपा-आरएसएस) कितनी भी छेड़छाड़ का प्रयास करें वो सत्य को नहीं बदल पाएंगे। गहलोत ने पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान में जब जिया उल हक सत्ता में आए तो उन्होंने वहां के इतिहास का पुनर्लेखन शुरू किया और वहां की किताबों में 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की विजयगाथा लिखवायी और ऐसा ही अब बांग्लादेश में किया जा रहा है, जहां शेख मुजीबुर्रहमान का नाम बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम से हटाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे प्रयासों से दुनिया में इन देशों की विश्वसनीयता ही खत्म होती जा रही है। गहलोत ने इसके साथ ही एक अन्य पोस्ट में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन का मुद्दा भी उठाया।

देश के एनर्जी ट्रांजिशन में राजस्थान दे रहा सर्वाधिक योगदान : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि अक्षय ऊर्जा को दिए जा रहे प्रोत्साहन से देश के ऊर्जा परिदृश्य में तेजी से बदलाव आया है। भारत वर्ष-2070 तक गैर जीवाश्म आधारित स्रोतों से शत-प्रतिशत ऊर्जा उत्पादन की अपनी प्रतिबद्धता की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। देश के इस एनर्जी ट्रांजिशन में राजस्थान का सर्वाधिक योगदान होने जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष बिरला शुक्रवार को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में भारत सोलर एक्सपो के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीते कुछ समय में राजस्थान ने सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है और हम आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं।

बिरला ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हुए राईजिंग राजस्थान समिट में निवेशकों का सर्वाधिक रूझान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में देखने में आया। इससे स्पष्ट है कि जैसे-जैसे यह परियोजनाएं आकार लेंगी, राजस्थान सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा की अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग कर देश की ऊर्जा जरूरतों को भी पूरा करेगा। इससे पहले जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने राजस्थान की सौर ऊर्जा संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि फ्लोटिंग सोलर के रूप में प्रदेश के बड़े जलाशयों में भी सौर ऊर्जा उत्पादन की संभावनाएं हैं।

सहकारिता मंत्री गौतम दक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम सूर्यघर निशुल्क बिजली योजना के रूप में अभूतपूर्व पहल की है। इसके माध्यम से हर घर की छत पर रूफ टॉप सोलर पैनल लग रहे हैं और आमजन सबसिडी का लाभ उठाकर सौर ऊर्जा के माध्यम से अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर पा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता 31 गीगावाट से अधिक हो गई है। जिसमें सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 24 हजार 776 मेगावाट तथा पवन ऊर्जा की भागीदारी लगभग 6 हजार मेगावाट है। उन्होंने कहा कि कुसुम योजना को जमीनी स्तर पर गति देने के साथ ही एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024, बैटरी स्टोरेज, पंप स्टोरेज आदि के नवाचार किए जा रहे हैं। जिसमें केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है।

राजस्थान सोलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील बंसल ने तीन दिवसीय भारत सोलर एक्सपो की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस एक्सपो में सोलर पैनल, मॉडयूल्स, सोलर सेल आदि का उत्पादन करने वाली एमएसएमई कंपनियों तथा सोलर सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली ईपीसी कंपनियों ने स्टॉल्स के माध्यम से अपने उत्पादों, नवाचारों एवं गतिविधियों को प्रदर्शित किया है।

राष्ट्र प्रथम की सोच रखते 'विकसित भारत' का संकल्प साकार करें : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरीभाऊ बागड़े ने कहा है कि 'राष्ट्र प्रथम' की सोच रखते हुए हमें 'विकसित भारत' के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। बागड़े शुक्रवार को 'द ढूँढाड़ टॉक 2025' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी राष्ट्र हित को अपना परम कर्तव्य मानते हुए देश के विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र कोई भूमि का टुकड़ा नहीं बल्कि विचार है। सनातन भारत की दृष्टि उदात्त जीवन मूल्यों में हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने लिए ही नहीं सर्वस्व कल्याण की सोच रखता है, तभी सर्वांगीण विकास की ओर आगे बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों द्वारा देश को गुलाम करने के बाद औपनिवेशिक शासकों ने न केवल भारत का आर्थिक शोषण किया बल्कि इसके सामाजिक ताने-बाने को भी नष्ट करने का प्रयास किया। उन्होंने आजादी के बाद देश में हुई तरक्की की चर्चा करते हुए कहा कि जब राष्ट्र प्रथम होता है, तभी देश में बड़े फैसले होते है।

बागड़े ने कहा कि अटल जी जब प्रधानमंत्री थे तो परमाणु परीक्षण हुआ, डा. एमएस स्वामीनाथन के नेतृत्व में हरित क्रांति से देश की बड़ी आबादी के खाद्यान्न की व्यवस्था हुई। देश सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हुआ। उन्होंने कहा कि देश में प्रथम आम चुनाव से ही प्रत्येक वयस्क को मतदान का अधिकार है। जबकि पश्चिमी देशों में सार्वभौमिक मताधिकार पर आरंभिक असमंजस रहा। उन्होंने विविधता में एकता की भारत भूमि की विरासत का संरक्षण करते हुए विकसित राष्ट्र के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

यूजीसी ने राजस्थान के तीन विश्वविद्यालयों में पीएचडी कोर्स में नामांकन पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने राजस्थान के तीन विश्वविद्यालयों में पीएचडी डिग्री कोर्स में विद्यार्थियों के नामांकन पर रोक लगा दी है। आयोग ने विश्वविद्यालयों के खिलाफ पीएचडी के मापदंड पूरे नहीं करने पर यह कार्रवाई की है। इससे पहले इन विश्वविद्यालयों को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर यूजीसी की स्थायी समिति ने इनमें पीएचडी कार्यक्रम के तहत नामांकन पर पांच साल के लिए रोक लगा दी है। यूजीसी के नोटिस के अनुसार, इन विश्वविद्यालयों के प्रबंधन को तत्काल प्रभाव से पीएचडी कार्यक्रम में विद्यार्थियों के नामांकन पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। यूजीसी सचिव मनीष आर. जोशी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी नोटिस के अनुसार चूरू की ओपीजेएस यूनिवर्सिटी, अलवर की सनराइज यूनिवर्सिटी और झुंझुनू की सिंघानिया यूनिवर्सिटी अब शैक्षणिक सत्र 2025-26 से 2029-30 तक पीएचडी में नामांकन नहीं ले पाएंगी।

यूजीसी ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को इन विश्वविद्यालयों में प्रवेश नहीं लेने की चेतावनी दी है। आयोग की जांच में पाया गया कि ये तीनों विश्वविद्यालय पीएचडी डिग्री देने के लिए जरूरी नियमों और मानदंडों का पालन नहीं कर रहे थे। यूजीसी ने अपनी स्थायी समिति की सिफारिशों के आधार पर यह कदम उठाया है। ओपीजेएस और सनराइज यूनिवर्सिटी विवादों में रही है।

नेशनल कांफ्रेंस और बीजेपी कभी एक नहीं हो सकते : अब्दुल्ला

अजमेर। अजमेर में मीडिया से बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस और बीजेपी का एक होना कभी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो नफरत फैलाते हैं, हम उनके साथ नहीं चल सकते। अजमेर में दरगाह जियारत करने पहुंचे अब्दुल्ला ने मुल्क में अमन और भाईचारे की कामना की। सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसे हमले होते रहते हैं, ये कोई बड़ी बात नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने राजौरी में हुई 15 मौतों पर कहा कि वहां एक वायरस फैला हुआ है, जिसका पता लगाने का काम चल रहा है। उन्होंने इस मौके पर जम्मू-कश्मीर में बर्फ की कमी और पानी की संकट की चिंता भी व्यक्त की। अब्दुल्ला ने अपने काफिले के दुर्घटनाग्रस्त होने के बारे में भी बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर नीलगाय के कारण उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

अनेक इलाकों में कड़ाके की सर्दी, घना कोहरा

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और शुक्रवार को अनेक इलाकों में सुबह घने कोहरे के साथ हुई। राज्य में कई जगह न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज किया गया है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शुक्रवार की सुबह तक बीते चौबीस घंटों के दौरान राज्य में कई जगह 'शीत दिवस' यानी कड़ाके की सर्दी का दौर जारी रहा। आज बीकानेर, जयपुर, कोटा, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में घना कोहरा छाया रहा। पूर्वी राजस्थान में कहीं कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई, वहीं पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान सिरोही में 3.8 डिग्री, सीकर में 4.0 डिग्री, पिलानी में 6.4 डिग्री, जालोर में 6.8 डिग्री, अजमेर में 6.9 डिग्री, जैसलमेर में 7.0 डिग्री और जयपुर में 7.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री ने किए सांवलिया सेठ के दर्शन

जयपुर। स्कूल शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को चित्तौड़गढ़ में विश्वप्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलिया सेठ के दर्शन किए एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने सांवलिया सेठ की तस्वीर भेंट स्वरुप प्राप्त की। दिलावर ने इससे पूर्व भदेसर पंचायत समिति के विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया एवं सीसी सड़क की गुणवत्ता, नालियों की साफ-सफाई एवं ग्राम पंचायत में नियमित रूप से सफाई के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने भदेसर ब्लॉक के सुखवाड़ा, जेतपुरा, आक्या, नरबदिया, मंडफिया सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचे एवं साफ-सफाई सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की।

संभल हिंसा पर पाकिस्तान के मौलाना से बातचीत का वीडियो सामने आने पर पुलिस जांच शुरू

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले की पुलिस ने कथित तौर पर पाकिस्तान के एक मौलाना से यहां हाल में हुए दंगे के संदर्भ में एक व्यक्ति की बातचीत का वीडियो सामने आने के बाद जांच शुरू की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संभल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार विश्नोई ने भरोसा दिया कि पुलिस मामले की सक्रियता से जांच कर रही है और तथ्य स्थापित होते ही उचित कदम उठाएगी। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद अकील नामक व्यक्ति एक ऑनलाइन मंच पर पाकिस्तान के कथित मौलाना से सलाह मशविरा करते हुए सुना जा सकता है।

चर्चा के दौरान, अकील सवाल करता है कि क्या हाल ही में हुई हिंसा में अपनी जान गंवाने वाले व्यक्तियों को शहीद माना जाना चाहिए। 24 नवंबर को संभल में अदालत के आदेश के बाद शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने मोहम्मद अकील की पहचान संभल जिले के निवासी के रूप में की है और मामले की जांच कर रही है।

पंजाब में कई जगहों पर नहीं दिखाई गई 'इमरजेंसी', एसजीपीसी ने किया विरोध प्रदर्शन

चंडीगढ़/भाषा। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने शुक्रवार को कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज के खिलाफ पंजाब में कई जगहों पर सिनेमाघरों के बाहर प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में ज्यादातर जगहों पर फिल्म रिलीज नहीं हो पाई।

फिल्म में रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म 1975 से 1977 तक 21 महीनों के आपातकाल के दौरान के घटनाक्रम पर केंद्रित है। राजनीतिक पृष्ठभूमि की यह फिल्म केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाण पत्र मिलने में देरी और सिख समुदाय को गलत तरीके से पेश करने के आरोपों को लेकर विवादों में रही। फिल्म की रिलीज में कई बार देरी के बाद इसे शुक्रवार को देश भर में रिलीज किया गया। लुधियाना, अमृतसर, पटियाला और बठिंडा के कई सिनेमाघरों में फिल्म नहीं दिखाई गई। राज्य में मॉल और सिनेमाघरों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया। अमृतसर में प्रदर्शनकारियों को काले झंडे और तख्तियां लेकर जाते देखा गया, जिन पर लिखा था ''फिल्म 'इमरजेंसी' पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए'' और ''फिल्म 'इमरजेंसी' का बहिष्कार हो''। एसजीपीसी के प्रताप सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमने फिल्म की रिलीज रोकने के लिए केंद्र सरकार और पंजाब सरकार से बात की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई...।'' उन्होंने कहा कि वे रिलीज रोकने के लिए इकट्ठा हुए हैं क्योंकि फिल्म पंजाब की शांति को भंग करने के लिए बनाई गई है। उन्होंने कहा, ''सिख पात्रों को आपत्तिजनक तरीके से चित्रित किया गया है।''

बलिया में 40 लाख रुपए की हेरोइन के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार

बलिया (उप्र)/भाषा। बलिया जिला मुख्यालय की शहर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को बिहार निवासी पांच लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 40 लाख रुपए मूल्य की 200 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कृपा शंकर ने बताया कि मादक पदार्थों के विरोध में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में बलिया शहर कोतवाली पुलिस द्वारा जनेश्वर मिश्र सेतु स्थित पुलिस पिकेट पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि इसी दौरान एक चार पहिया वाहन बिहार की तरफ से आते हुए दिखाई दिया जिसे पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। इसपर वाहन चालक ने वाहने पीछे मोड़ने का प्रयास किया। पुलिस टीम वाहन की तरफ दौड़ी तो गाड़ी का गेट खोलकर पांच लोग भागने लगे, लेकिन पुलिस ने सभी को घेरकर पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि पकड़े गये व्यक्तियों की पहचान पिंटू कुमार, अरविन्द कुमार, लवकुश तिवारी, मुन्ना कुमार, विकास कुमार तिवारी (सभी बिहार राज्य के निवासी) के रूप में हुई।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में भगोड़ों के खिलाफ अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया जाना चाहिए : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में लंबे समय से देश से फरार चल रहे भगोड़ों के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

मध्य प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए शाह ने वंचितों को न्याय दिलाने के लिए एक मजबूत कानूनी सहायता प्रणाली की आवश्यकता पर भी जोर दिया और इस उद्देश्य के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए उचित कानूनी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में लंबे समय से देश से फरार चल रहे भगोड़ों के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया जाना चाहिए। गृह मंत्री ने उल्लेख किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में ऐसे भगोड़े अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अनुपस्थिति में मुकदमे का प्रावधान शामिल है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया कि अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) के तहत आवंटित धन का उपयोग केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार सख्ती से किया जाए। चर्चा के दौरान, शाह ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों का सार प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय से फैसला आने तक तीन साल के भीतर न्याय प्रदान करना है। पिछले साल एक जुलाई को लागू हुए तीनों कानूनों-- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-- ने क्रमशः औपनिवेशिक भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली।

नए आपराधिक कानूनों को लागू करने में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए, गृह मंत्री ने राज्य में जल्द से जल्द उनके 100 प्रतिशत कार्यान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि आतंकवाद और संगठित अपराध से संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज करने से पहले, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को यह मूल्यांकन करना चाहिए कि क्या मामला उन धाराओं के लागू करने योग्य है। इन कानूनी प्रावधानों का कोई भी दुरुपयोग नए आपराधिक कानूनों की शुचिता को कमजोर करेगा।

सिंगापुर के राष्ट्रपति षणमुगरत्नम दो दिवसीय यात्रा पर ओडिशा पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम शुक्रवार को ओडिशा की दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। इस दौरान सिंगापुर और ओडिशा के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मुख्य सचिव मनोज आहूजा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति षणमुगरत्नम और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''सिंगापुर गणराज्य के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम का भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री मोहन माझी द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह गर्व का क्षण है क्योंकि ओडिशा सम्मानित नेता की मेजबानी कर रहा है, जिससे मित्रता और सहयोग के बंधन मजबूत हो रहे हैं।'' सिंगापुर के राष्ट्रपति की यह यात्रा 28 और 29 जनवरी को होने वाले व्यापार सम्मेलन 'उत्कर्ष ओडिशा: मेक-इन-ओडिशा कॉन्क्लेव' से कुछ दिन पहले हो रही है।

सिंगापुर के राष्ट्रपति की इस यात्रा के दौरान सिंगापुर और ओडिशा के बीच कम से कम आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। ये समझौते कौशल विकास, औद्योगिक बुनियादी ढांचे और टिकाऊ ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे। महत्वपूर्ण समझौतों में से एक तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) को बढ़ाना है, जिसमें ओडिशा के कौशल विकास परिवेश को मजबूत करने के लिए सेमीकंडक्टर उद्योग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

एक अन्य समझौता ओडिशा औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम (आईडीसीओ) और सिंगापुर के सेम्बकॉर्प के बीच होगा जो औद्योगिक अवसंरचना परियोजनाओं के लिए होगा। इसके अतिरिक्त, भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण (बीडीए) सिंगापुर के सुरबाना जुरोंग के साथ मिलकर एक नया शहर विकसित करेगा। हरित हाइड्रोजन गलियारा और पेट्रोकेमिकल एवं पेट्रोलियम निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) विकसित करने के लिए भी समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। षणमुगरत्नम का विश्व कौशल केंद्र का भी दौरा करने का कार्यक्रम है, जिसे एशियाई विकास बैंक से वित्त पोषण के साथ सिंगापुर के तकनीकी शिक्षा एवं शिक्षा सेवा संस्थान (आईटीईईएस) ने यहां स्थापित किया है। राष्ट्रपति षणमुगरत्नम 18 जनवरी को कोणार्क के सूर्य मंदिर और राज्य की राजधानी के बाहरी इलाके में भारत बायोटेक के टीका विनिर्माण संयंत्र का दौरा करेंगे।

पूर्वोत्तर में सबसे अधिक एमएसएमई इकाइयां मणिपुर में: मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में मणिपुर में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) के व्यवसाय पंजीकरण की संख्या सबसे अधिक है। सिंह ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय की 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार राज्य ने 2015 और 2019 के बीच 12,438 एमएसएमई व्यवसाय पंजीकृत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र 'नए भारत का विकास इंजन' बनने के लिए तैयार है।

मणिपुर के लोगों के अत्यधिक उद्यमशील होने की बात पर जोर देते हुए सिंह ने कहा, '' केवल इस राज्य में 2015 और 2019 के बीच 12,438 एमएसएमई व्यवसाय हैं, जो पूर्वोत्तर में सबसे अधिक है। इनमें से 50 प्रतिशत व्यवसाय महिलाओं के स्वामित्व में हैं।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनसंख्या में मणिपुर की हिस्सेदारी 0.2 प्रतिशत है, जबकि एमएसएमई कारोबार में राज्य की हिस्सेदारी 0.3 प्रतिशत है।

सिर्फ भाजपा में ही साधारण सदस्य पार्टी अध्यक्ष बन सकता है: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें एक साधारण सदस्य भी समर्पित सेवा के माध्यम से पार्टी अध्यक्ष के पद तक पहुंच सकता है।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जैसी पार्टियों में वरिष्ठ पद अक्सर पारिवारिक संबंधों या आशीर्वाद पर निर्भर करते हैं, वहीं भाजपा कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को महत्व देती है। शर्मा ने लोकसभा सदस्य दिलीप सैकिया के निर्विरोध पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष चुने जाने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''आज का दिन हमारे लिए शुभ है लेकिन इसलिए नहीं कि हमें नया अध्यक्ष मिल रहा है बल्कि आज फिर से यह साबित हो गया है कि हमारी पार्टी में शीर्ष पद पर पहुंचने के लिए किसी को 'राजपरिवार' से होने की जरूरत नहीं है। एक साधारण 'स्वयंसेवक' अगर समर्पण के साथ काम करे तो वह भी अध्यक्ष बन सकता है।'' उन्होंने दावा किया, ''अगर हम कांग्रेस या अन्य पार्टियों को देखें, तो सबसे पहले यह विश्लेषण किया जाएगा कि उन्हें किसका 'आशीर्वाद' मिला है या वे किस 'परिवार' से हैं, तभी कोई शीर्ष पद पर पहुंच सकता है।''

शर्मा ने कहा कि भाजपा में हमेशा ऐसे साधारण कार्यकर्ताओं की तलाश रहती है, जिन्होंने अपने काम से खुद को असाधारण साबित किया हो। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सैकिया के पिता का नाम भी कोई नहीं जानता। हम अपने पिता से प्रेरणा लेते हैं और उनके आशीर्वाद से हम अपना रास्ता खुद बनाते हैं।'' उन्होंने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया है कि पार्टी में भाई-भतीजावाद न पनपने पाए और यह आम लोगों की पार्टी बनी रहे।

आयुष्मान भारत योजना भारत का सबसे बड़ा घोटाला: केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को देश का 'सबसे बड़ा घोटाला' बताया। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दिल्ली सरकार को राजधानी में इस योजना को लागू करने के लिए केंद्र के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने को कहा गया था। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में आयुष्मान भारत योजना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने छात्र-छात्राओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और मेट्रो की सवारी में 50 प्रतिशत छूट के आम आदमी पार्टी के वादे की घोषणा की। केजरीवाल ने आयुष्मान योजना के संबंध में उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे खुशी है कि उच्चतम न्यायालय ने पुष्टि की है कि यह एक फर्जी योजना है। आयुष्मान भारत देश का सबसे बड़ा घोटाला है।

प्रमुख विश्वविद्यालयों की बौद्धिक ईमानदारी को आरएसएस से खतरा : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों की बौद्धिक ईमानदारी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से खतरा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियुक्ति से संबंधित नियम का उद्देश्य केवल परिसरों में इस तरह की गैर-गंभीर राजनीति को बढ़ावा देना है।

रमेश ने एक खबर का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि दिल्ली विवि (डीयू) के कई संकाय सदस्यों ने पत्रकार अशोक श्रीवास्तव की पुस्तक ''मोदी वर्सेस खान मार्केट गैंग'' पर विवि को परिसर में आयोजित परिचर्चा की निंदा की है। रमेश ने पोस्ट किया, ''हमारे प्रमुख विश्वविद्यालयों में बौद्धिक ईमानदारी को साजिश की कहानियों और बचकानी बातों से संबंधित आरएसएस की प्रवृत्ति के वायरस से खतरा है। एक घोर पक्षपातपूर्ण और गंभीरता के अभाव वाली पुस्तक के लिए एक कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था।'' उन्होंने दावा किया कि यह उस संस्थान के लिए घोर अपमान है जो एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान रहा है लेकिन अब आरएसएस की विस्तारित शाखा के रूप में कार्य करता है।'' रमेश ने आरोप लगाया कि नए यूजीसी नियम कुलपतियों की नियुक्ति और गैर-शैक्षणिक व्यक्तियों की नियुक्ति की अधिक केंद्रीय निगरानी की अनुमति देते हैं, और इनका उद्देश्य केवल परिसरों में इस तरह की गैर-गंभीर राजनीति को बढ़ावा देना है।

बरेली में फर्जी प्रमाण पत्र से सहायक अध्यापक बनी पाकिस्तानी महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बरेली (उप्र)/भाषा। जिले के फतेहगंज पश्चिमी थाना में फर्जी प्रमाणपत्र के जरिये बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक की नौकरी हासिल करने वाली कथित पाकिस्तानी महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बरेली के अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) मुकेश चंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी, फतेहगंज पश्चिमी ने थाना फतेहगंज पश्चिमी में शुमायला खान के खिलाफ धोखाधड़ी और दस्तावेजों में हेराफेरी के आरोप में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मिश्रा ने बताया कि शुमायला खान पर कूटरचित प्रमाण पत्रों के जरिये बेसिक शिक्षा विभाग में सरकारी प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक के पद पर नौकरी हासिल करने का आरोप है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुमायला खान ने नियुक्ति के दौरान उप जिलाधिकारी सदर, रामपुर के कार्यालय से जारी निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। उप जिलाधिकारी सदर, रामपुर ने ही जांच रिपोर्ट दी है कि यह प्रमाण पत्र कूट रचित, त्रुटिपूर्ण है और शुमायला खान वास्तव में पाकिस्तानी नागरिक हैं। उन्होंने तथ्यों को छिपाते हुए कूटरचित निवास प्रमाण पत्र के जरिए नौकरी हासिल की थी।

ओलंपिक पदक का रंग उतरने से निराश स्वप्निल ने इसे बदलने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेरिस ओलंपिक में मिले कांस्य पदक की चमक फीकी पड़ने से निराश निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने शुक्रवार को इस पदक को बदलने का अनुरोध किया ।

महाराष्ट्र के 29 साल के इस खिलाड़ी को पेरिस ओलंपिक में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में (451.4 स्कोर) कांस्य पदक मिला और इस वर्ग में पदक जीतने वाले वह पहले भारतीय निशानेबाज है। स्वप्निल ने यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अर्जुन पुरस्कार लेने के बाद इस सम्मान पर खुशी जताई लेकिन कहा कि पेरिस में उन्हें जो पदक मिला था, उसकी चमक अब फीकी पड़ने लगी है । उन्होंने 'भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, ''मेरे पदक की चमक उतर रही है। पेरिस से भारत आने के कुछ दिन बाद ही पदक का रंग उतरने लगा था, अब तो उस पदक का पूरा रंग उतर गया है। मैं इस बदलवाने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ(आईओए) से बात करूंगा।'' उन्होंने कहा, '' ओलंपिक पदक किसी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी सफलता में से एक है और इतनी जल्दी इसका रंग उतर जाना निराशाजनक है।'' इससे पहले निशानेबाज मनु भाकर ने भी पेरिस ओलंपिक के पदक का रंग उतरने की शिकायत की थी।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने पिछले दिनों इस बात को माना था कि दुनिया भर के खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के पदकों का रंग उतरने की शिकायत कर रहे हैं। आईओसी ने कहा था कि 'क्षतिग्रस्त' पदकों को 'मोनेई डे पेरिस (फ्रांस का राष्ट्रीय टकसाल)' द्वारा व्यवस्थित रूप से बदला जाएगा। खिलाड़ियों को मिलने वाला नया पदक पुराने के समान ही होगा। स्वप्निल ओलंपिक राइफल स्पर्धा में देश के लिए पदक जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी है। उनसे पहले बीजिंग 2008 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण और लंदन 2012 में इसी स्पर्धा में गगन नारंग के कांस्य पदक हासिल किया था।

ओलंपिक पदक की गुणवत्ता उच्च कोटि की होनी चाहिए: भाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिए ओलंपिक पदक से बड़ा कोई स्मृति चिन्ह नहीं है इसलिये इसकी गुणवत्ता उच्च कोटि की होनी चाहिए। पेरिस ओलंपिक के पदकों की चमक इन्हें दिए जाने के कुछ ही महीनों बाद फीकी पड़ गई है। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर मिश्रित टीम स्पर्धा में भाकर द्वारा जीते गए दो कांस्य पदकों की चमकीली ऊपरी परत उखड़ गई जिससे उनका अंदर का हिस्सा दिख रहा है। उन्होंने और दुनिया भर के कई खिलाड़ियों ने पदक की चमक फीकी होने के मुद्दे को उठाया और उन्हें बदलने की मांग की। राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से नवाजे जाने के बाद 22 वर्षीय इस शीर्ष निशानेबाज ने पुष्टि की कि उनके पदकों की चमक फीकी पड़ गई थी।

खेल रत्न प्राप्त करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान भाकर ने कहा, ''पदक मिलने के तुरंत बाद दो तीन दिन के अंदर ही चमक फीकी होनी शुरू हो गई। मैं यह अपने पदक को देखने के बाद कह सकती हूं। ओलंपिक पदक जीवन भर संजोकर रखने वाली चीज है क्योंकि उस पदक के साथ बहुत बड़ी याद जुड़ी होती है। ''

चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले सफेद गेंद के क्रिकेट का अभ्यास कर रहे हैं रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे शृंखला और चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले सफेद गेंद के प्रारूप में अपने कौशल को निखारने पर मेहनत कर रहे हैं । इंस्टाग्राम पर डाले एक वीडियो में 37 वर्ष के रोहित को अभ्यास सत्र में उनके चिर परिचित शॉट फ्लिक, ड्राइव, ऊंचे हिट और पूल लगाते देखा गया। आस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद रोहित मुंबई की रणजी टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं । मुंबई को 23 जनवरी को रणजी मैच में जम्मू कश्मीर से खेलना है लेकिन अभी तय नहीं है कि रोहित उसमें खेलेंगे या नहीं। भारत को चैम्पियंस ट्रॉफी में 20 फरवरी को बांग्लादेश से दुबई में पहला मैच खेलना है।

इससे पहले छह फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ वनडे शृंखला खेलनी है। रोहित आस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट में 31 रन ही बना सके और सिडनी में पांचवें टेस्ट से खराब फॉर्म के कारण खुद बाहर हो गए थे ।

टोक्यो ओलंपिक के बाद सीमित खिलाड़ियों पर ध्यान देना फायदेमंद रहा : निशानेबाजी कोच दीपाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले सहित कई निशानेबाजों की वैश्विक सफलता में अहम योगदान देने वाली पूर्व खिलाड़ी और कोच दीपाली देशपांडे ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में इस खेल में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्होंने सीमित संख्या में खिलाड़ियों के साथ काम करने का फैसला किया।

कई वर्षों तक ओलंपिक, विश्व कप और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता निशानेबाजों को प्रशिक्षण देने वाली दीपाली को शुक्रवार को यहां द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दीपाली के शिष्यों में स्वप्निल के साथ अर्जुन बबूता, अंजुम मौदगिल, अखिल श्योराण, सिफत कौर सामरा और श्रीयंका शदांगी भी शामिल है। स्वप्निल ने पेरिस ओलंपिक में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक मिला और इस वर्ग में पदक जीतने वाले वह पहले भारतीय निशानेबाज है। दीपाली ने द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद कहा कि टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने सिर्फ छह निशानेबाजों के साथ काम करना शुरू किया।

दीपाली ने कहा, '' हम 2016 (रियो ओलंपिक) के बाद 2021(टोक्यो) से हम खाली हाथ लौटे थे। इसके बाद मुझे लगा कि ओलंपिक पदक के सपने को साकार करने के लिए आपको कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार रहना होगा। आपकी यही मानसिकता होनी चाहिये और मेरी मानसिकता में भी यह बड़ा बदलाव आया था। मैंने इसी के अनुसार काम किया।''

सुविचार

धर्म की गति सूक्ष्म होती है। अगर तुम सुई में धागा डालने की कोशिश कर रहे हो, तो तुम तब तक सफल नहीं होगे जब तक धागे का एक भी रेशा टेढ़ा हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वादों का हिसाब लें

दिल्ली में विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए राजनीतिक दल घोषणाओं के पिटारों से बड़ी-बड़ी योजनाएं निकाल रहे हैं। मुफ्त राशन, मुफ्त बिजली, मुफ्त सिलेंडर, मुफ्त यात्रा समेत कई चीजें और सुविधाएं मुफ्त देने के ये वादे कितने प्रासंगिक हैं? क्या किसी दल ने यह बताया है कि इनके लिए धन का प्रबंध कैसे किया जाएगा? पिछले एक दशक में मुफ्त चीजें और सुविधाएं देने की राजनीति को जिस तरह बढ़ावा मिला है, उसके मद्देनज़र कोई नेता या राजनीतिक दल इन पर सवाल उठाने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। ये चीजें और सुविधाएं भले ही मुफ्त हों, लेकिन इनके निर्माण पर लागत आती है। उसकी भरपाई कहां से होगी? दिल्ली के लिए बहुत बड़ी चुनौती वायु प्रदूषण है। क्या किसी नेता के पास कोई योजना है, जिसके जरिए लोगों को साफ हवा मिलने का इंतजाम हो जाएगा? पिछले साल के आखिरी कुछ हफ्ते कितने मुश्किल गुजरे थे? दिल्ली में सरकारी स्कूल हैं, जिनकी 'उपलब्धियों' का सोशल मीडिया पर बहुत जिक्र होता है। आम आदमी पार्टी के कितने विधायक और वरिष्ठ नेता हैं, जिनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं? 'स्कूल होना' और 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा होना' दो अलग-अलग बातें हैं। प्राय: सरकारी स्कूलों में वे बच्चे जाते हैं, जिनके माता-पिता प्राइवेट स्कूलों की फीस और अन्य खर्चे उठाने में सक्षम नहीं हैं। हर साल जब बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे आते हैं तो सरकारी स्कूलों की दशा सुधारने के लिए बड़ी-बड़ी बातें होती हैं। टीवी स्टूडियो में बहुत बड़े बुद्धिजीवी आकर बताते हैं कि कुछ ऐसा कर दें, यह खर्च बढ़ा दें तो हालत सुधर सकती है, लेकिन समस्या की जड़ तक कोई नहीं जाता।

अगर सरकारी स्कूलों की हालत सुधारनी है तो जनप्रतिनिधियों और सरकारी कर्मचारियों के लिए कानूनी अनिवार्यता करें कि वे अपने बच्चों को इन स्कूलों में पढ़ाएंगे। क्या दिल्ली विधानसभा चुनाव में किसी नेता या दल ने इसके लिए आवाज उठाई? नागरिकों को कुछ मूलभूत सुविधाएं मुफ्त या नाममात्र के शुल्क पर जरूर मिलनी चाहिएं। जैसे- पानी, बिजली, राशन सबको मिलना ही चाहिए। ये सुविधाएं जनता को इस तरह दें, ताकि अन्य चीजों में सुधार आए। उदाहरण के लिए, इन योजनाओं के जरिए घर में ईवी / साइकिल, वर्षाजल संग्रहण प्रणाली, आस-पास सफाई, पेड़ आदि की अनिवार्यता कर दें तो कई समस्याएं दूर हो जाएंगी। याद करें, पिछले साल मई-जून में दिल्ली का तापमान क्या रिकॉर्ड बना रहा था? यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस पुष्टि कर चुकी है कि साल 2024 अब तक का सबसे ज्यादा गर्म साल रहा और ऐसा पहली बार है, जब पिछले साल का वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। इस साल गर्मियों का मौसम कैसा होने वाला है? क्या पिछले अनुभवों से कोई सबक लिया? दिल्ली में कितने पौधे लगाए गए? उनकी सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए? अब डेढ़ महीने की सर्दी बची है। उसके बाद गर्मी ही गर्मी! क्या पानी की उपलब्धता के लिए कोई ठोस योजना बनाई गई है? बड़े राजनीतिक दल, जो दिल्ली की सत्ता में आने का दावा कर रहे हैं, वे ऐसा क्या करेंगे जिससे लोगों को टैंकरों पर आश्रित नहीं होना पड़ेगा? आम आदमी पार्टी के दिल्ली की सत्ता में आने के बाद उपराज्यपाल कार्यालय के साथ खींचतान सुर्खियों में रही है। राष्ट्रीय राजधानी में अपराध और कानून व्यवस्था का मुद्दा भी अंतरराष्ट्रीय मीडिया 'नमक-मिर्च' लगाकर उठाता है। क्या राजनीतिक दलों के पास ऐसी योजना है, जिससे वे हमारे देश की राजधानी को अधिक सुरक्षित बना सकते हैं? मुद्दे तो कई हैं, जनता उनसे परिचित भी है। क्या वह जनप्रतिनिधियों के उन वादों का हिसाब लेगी, जो पिछले चुनाव में किए गए थे? वादों का हिसाब लें, अन्यथा वे घोषणापत्रों में ही रह जाएंगे।

ट्वीटर टॉक

स्वामित्व योजना के तहत देशभर के ग्रामीण इलाकों के मेरे भाई-बहनों को उनकी जमीन का मालिकाना हक मिले, इसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में कल दोपहर करीब 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपत्ति मालिकों को लाखों संपत्ति कार्ड सौंपने का सौभाग्य मिलेगा।

-राज्यवर्धनसिंह रठौड़

पैरालंपिक-2024 में रजत पदक जीतकर समस्त देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली जयपुर की बेटी मोना अग्रवाल जी को महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं।

-दीया कुमारी

पिछली बार जब मैं आपके बीच आया था, तब लोकसभा के चुनाव ज्यादा दूर नहीं थे। उस दौरान मैंने आपके सबके विश्वास के कारण कहा था कि अगली बार भी 'भारत मोबिलिटी एक्सपो' में जरूर आऊंगा। देश ने तीसरी बार हमें आशीर्वाद दिया, आप सभी ने मुझे यहां बुलायां।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

श्रद्धा और भक्ति

स्वामी प्रभुपाद भक्तिवेदांत के अमेरिकन शिष्य प्रयाग के कुंभ पर्व में नंगे पैर घूम-घूम कर 'हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे' के संकीर्तन से आसमान को गुंजा रहे थे। किसी व्यक्ति ने एक अमेरिकन श्रीकृष्ण भक्त से पूछा, 'आप भीषण गर्मी में भी तपती रेत में नंगे पांव क्यों घूमते हो? जूते क्यों नहीं पहनते?' 'आप जब मंदिर जाते हैं तब क्या जूते पहने रहते हैं?' विदेशी वक्त ने उससे पूछा। 'नहीं, मंदिर में तो जूते पहन कर नहीं जाते'उसने उत्तर दिया। अमेरिकन श्रीकृष्ण भक्त ने भाव विभोर होकर कहा, 'हमारे इष्टदेव भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि, जन्मभूमि पूरा भारत हमारे लिए परम पावन मंदिर है, तीर्थ है। हम इस पावन तीर्थ में जूते पहनकर कैसे विचरण कर सकते हैं?' पास खड़े अनेक व्यक्ति, विदेशी श्रीकृष्ण-भक्त की अनन्य भक्ति देखकर गदगद हो उठे।

सामयिक

धर्म बाँटने की नहीं बल्कि जोड़ने की जीवन पद्धति

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

विश्व धर्म दिवस हर साल जनवरी के तीसरे रविवार यानी इस वर्ष 19 जनवरी को मनाया जा रहा है। यह दिन दुनिया के सभी धर्मों की विविधता और संस्कृति का जश्न मनाने का दिन है। इस दिन को मनाने का मकसद, धर्मों के बीच समझ, सौहार्द और शांति को बढ़ाना है क्योंकि धर्म दीप नहीं, चिराग नहीं, बिजली नहीं, बल्कि यह सूर्य है और उसी की भांति यह बिना किसी भेदभाव के सबको आलोक एवं मंगल बांटता है। धर्म जीवन का अभिन्न अंग है, तत्व है। इसके अस्तित्व को नकारने का अर्थ है स्वयं के अस्तित्व को नकारना। दुनिया में असंख्य लोग जिस सबसे गहरी श्रद्धा के साथ जिसे पूजते हैं, वह धर्म है। धर्म ही कामधेनु है, धर्म ही कल्पतरु है। जिसने धर्म को सही रूप में स्वीकार कर लिया, समझ लीजिये कि उसने जीवन की सर्वोच्च निधि को प्राप्त कर लिया। धर्म की इसी महत्ता के कारण विश्व धर्म दिवस की शुरुआत साल 1950 में संयुक्त राज्य अमेरिका के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा ने की थी। बहाई धर्म के अनुयायियों का मानना है कि सभी धर्मों में समान विशेषताएं हैं और उनका समान रूप से सम्मान किया जाना चाहिए। प्रारंभ में एक बहाई अनुष्ठान के रूप में विश्व धर्म दिवस धर्म की एकता और प्रगतिशील रहस्योद्घाटन के बहाई सिद्धांतों से प्रेरित था, जो धर्म को मानवता के इतिहास में निरंतर विकसित होने के रूप में वर्णित करता है। यह उन विचारों को उजागर करके इन सिद्धांतों को बढ़ावा देता है कि दुनिया के धर्मों में अंतर्निहित आध्यात्मिक सिद्धांत सामंजस्यपूर्ण हैं और धर्म मानवता को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज इस दिवस की सर्वाधिक प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। आज की दुनिया में, जहाँ सांस्कृतिक और धार्मिक तनाव अक्सर सुर्खियों में छाए रहते हैं, विश्व धर्म दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि हमारे मतभेदों के बावजूद, हम एक समान मानवता, शांति और कल्याण की सार्वभौमिक इच्छा साझा करते हैं। अंतर-धार्मिक संवाद के माध्यम से, हम एक-दूसरे की मान्यताओं और परंपराओं के बारे में जान सकते हैं, गलतफहमियों को दूर कर सकते हैं और आपसी समझ के पुल बना सकते हैं। इससे सहिष्णुता, सम्मान और सहयोग को बढ़ावा मिलता है, जो अंततः एक अधिक शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण दुनिया का मार्ग प्रशस्त करता है।

''भारतीय संस्कृति की आत्मा धर्म है। यही कारण है कि यहां अनेक धर्म पल्लवित एवं पुष्पित हुए हैं। सबने अपने-अपने ढंग से धर्म की व्याख्या की है। सुप्रसिद्ध लेखक लार्ड मोर्ले ने लिखा है, आज तक धर्म की लगभग दस हजार परिभाषाएं हो चुकी हैं, पर उनमें भी जैन, बौद्ध आदि कितने ही धर्म इन व्याख्याओं से बाहर रह जाते हैं।'' लार्ड मोर्ले की इस बात से यह चिंतन उभर कर सामने आता है कि ये सब परिभाषाएं धर्म-सम्प्रदाय की हुई है, धर्म की नहीं। सम्प्रदाय अनेक हो सकते हैं, पर उनमें निहित धर्म का संदेश सबका एक है। पंथ, संप्रदाय या वर्ग तक ही धर्म को सीमित नहीं किया जा सकता। धर्म बहुत व्यापक है। धर्म न तो पंथ, मत, संप्रदाय मंदिर या मस्जिद में है और न धर्म के नाम पर पुकारी जाने वाली पुस्तकें ही धर्म है। धर्म तो सत्य, करुणा और अहिंसा है। आत्मशुद्धि का साधन है। जीवन परिवर्तन एवं उसे सकारात्मक दिशा देने का माध्यम है। जिन लोगों ने सामाजिक सहयोग को धर्म का ताना-बाना पहना दिया है, किसी को भोजन देना, वस्त्र की कमी में सहायता प्रदान करना, रोग आदि का उपचार करना अध्यात्म धर्म नहीं, किन्तु पारस्परिक सहयोग है, लौकिक धर्म है।

इन दिनों प्रयागराज में चल रहा महाकुंभ, भारतीय धर्म और संस्कृति का प्रतीक है जो दुनिया को एकजुट करने का सशक्त माध्यम है। यह दुनिया भर में सनातन धर्म की महत्ता को दिखाता है। महाकुंभ में शामिल होने से आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं और पाप धुल जाते हैं। यह सनातन धर्म का सबसे अहम और पवित्र आयोजन है जिसमें शामिल होने से मोक्ष मिलता है, आत्मा की शुद्धि होती है। कुंभ हो या हज यात्रा या फिर क्रिश्चयन समुदाय का वेटिकन मास, धर्म की पुकार सदियों से इंसानों को एक स्थान पर खींचती आई है। हर सभ्यता में मनुष्य एक तय समय पर अपने ही जैसे विश्वास के लोगों से मिलता है और धार्मिक अनुष्ठान कर एक बेहतर दुनिया एवं जिंदगी की कामना करता है। धर्म और आस्था की डोरी सदियों से मानवों को अपनी ओर खींचती आई है। धर्म का भाव, मुक्ति की कामना लाखों लोगों को एक सूत्र में पिरोती है। इसलिए ऐसी गतिविधियों में मनुष्य बिना बुलाये ही भारी संख्या में जमा हो जाता है। दुनिया में हर स्थान पर धार्मिक क्रियाओं के लिए हर कोने में एक निश्चित जगह पर लाखों-करोड़ों लोग जमा होते हैं। सनातन, बहाई, इस्लाम, ईसाइयत हर धर्म के लोग अपनी परंपरा को मनाने के लिए एक निश्चित स्थान पर जमा होते हैं। मान्यता है कि सनातन में कुंभ की परंपरा लगभग 2500 साल से ज्यादा समय से चलती आ रही है, इस्लाम के मानने वाले लगभग 1400 सालों से हज पर जाते रहे हैं जबकि क्रिश्चयन समुदाय के लोग 1700 सालों से ईस्टर संडे मनाते आ रहे हैं। वेटिकन मास का आयोजन भी सालों से होता आ रहा है।

धर्म जीवन का रूपान्तरण करता है। पर जिनमें धर्म से परिवर्तन घटित नहीं होता उन धार्मिकों ने शायद धर्म के वास्तविक स्वरूप को आत्मसात नहीं किया है। उन धार्मिकों से हैरान हो जाना चाहिए जो वर्षों से धर्म करते आ रहे हैं, किंतु जीवन में परिवर्तन नहीं आ रहा है। धार्मिक की सबसे बड़ी पहचान है कि वह प्रेम और करुणा से भरा होता है। धार्मिक होकर भी व्यक्ति लड़ाई, झगड़े, दंगे-फसाद करे, यह देखकर आश्चर्य होता है। धार्मिक अधर्म से लड़े, असत्य से लड़े, बुराई से लड़े यह तो समझ में आता है, किन्तु एक धार्मिक दूसरे धार्मिक से लड़े, यह दुख का विषय है। धार्मिक होने की पहली प्राथमिकता है नैतिकता। धार्मिक होकर यदि व्यक्ति नैतिक नहीं है तो यह धर्म के क्षेत्र का सबसे बड़ा विरोधाभास है। आज देश की लगभग-एक अरब पचास करोड़ की आबादी में-सौ करोड़ जनता धार्मिक मिल सकती है पर जहां तक ईमानदारी एवं नैतिकता का प्रश्न है, -दो करोड़ भी संभव नहीं है। इसका तात्पर्य यह हुआ कि बेईमान धार्मिकों की संख्या अधिक है। एक धार्मिक कहलाने वाला व्यक्ति चरित्रहीन हो, हिंसा पर उतारू हो, आक्रांता हो, धोखाधड़ी करनेवाला हो, छुआछूत में उलझा हुआ हो, भ्रष्टाचार करता हो, दहेज के नाम पर बालिकाओं का उत्पीड़न करता हो और भी अनेक अनैतिक आचरण करता हो, क्या वह धार्मिक कहलाने का अधिकारी है?

पुत्र, पत्नी, परिवार, पैसा, पद-प्रतिष्ठा इनके पीछे आम आदमी जहां पागल बना दौड़ रहा है, वहां इस सचाई को भी नकारा नहीं जा सकता कि इन सबसे ऊपर की चीज सुख-शांति का रास्ता अजाना-अचीन्हा मार्ग धर्म है। धर्म शून्य व्यक्ति बाहर से सब कुछ पाकर भी अंतस में रिक्तता का अनुभव करता है। धार्मिक व्यक्ति वस्तु जगत की न्यूनता को भी आंतरिक संपदा के कारण पूर्णता में बदल देता है। क्योंकि वह जानता है पदार्थ सापेक्ष सुख अस्थायी है। धार्मिक आस्था और सम्यक आचरण से होने वाली सुखानुभूति स्थायी होती है। भारतीय मनीषा में धर्म केवल ईश्वरीय आस्था ही नहीं है, वह वैश्विक व्यवस्था है। सृष्टि का सार्वभौम, सर्वकालिक नियम है। जीवन पद्धति है। धर्म मजहबी विश्वास या बंधन नहीं है। वह आंतरिक प्रकाश है, ज्ञान और आनंदमयी चेतना का स्पंदन है। धर्म वह आचार-संहिता है, जिसमें सर्वोदय-सबका अभ्युदय, सबका विकास निहित है। इसलिये विश्व धर्म दिवस मनाते हुए हमें धर्म के वास्तविक स्वरूप को अंगीकार करना चाहिए।

धर्म मनुष्यता का मंत्र है, उन्नति का तंत्र है। पशुता को मनुजता में रूपांतरित करने का यंत्र है। धर्म एक मर्यादा है, वह जीवन को मर्यादित करता है। व्यक्ति और समाज की उच्छृंखल वृत्तियों-प्रवृत्तियों का नियमन करता है। धर्म सम्मत जीवन वह है, जहां मनुष्य किसी भी प्राणी को हानि पहुंचाएं बिना नैतिक समाज में अपनी मिसाल खड़ी कर सके। बिना किसी को कष्ट दिए, स्वयं सत्कर्म में लगा रहे। क्योंकि धर्म उत्कृष्ट मंगल है-समस्त विघ्न, बाधाओं, कष्टों का निवारक,

धर्म जीवन का रूपान्तरण करता है। पर जिनमें धर्म से परिवर्तन घटित नहीं होता उन धार्मिकों ने शायद धर्म के वास्तविक स्वरूप को आत्मसात नहीं किया है। उन धार्मिकों से हैरान हो जाना चाहिए जो वर्षों से धर्म करते आ रहे हैं, किंतु जीवन में परिवर्तन नहीं आ रहा है। धार्मिक की सबसे बड़ी पहचान है कि वह प्रेम और करुणा से भरा होता है। धार्मिक होकर भी व्यक्ति लड़ाई, झगड़े, दंगे-फसाद करे, यह देखकर आश्चर्य होता है। धार्मिक अधर्म से लड़े, असत्य से लड़े, बुराई से लड़े यह तो समझ में आता है, किन्तु एक धार्मिक दूसरे धार्मिक से लड़े, यह दुख का विषय है। धार्मिक होने की पहली प्राथमिकता है नैतिकता।

नजरिया

अफ़ग़ानिस्तान के साथ भारत का जुड़ाव और तालिबान

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

तालिबान के साथ भारत का जुड़ाव क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद-रोधी और संपर्क जैसे राष्ट्रीय हितों को सहायता, शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मानवीय मूल्यों के साथ संतुलित करने वाले एक सूक्ष्म दृष्टिकोण को उजागर करता है। रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए, भारत की अफ़ग़ानिस्तान नीति विकसित वास्तविकताओं के अनुकूल है, जो संयुक्त राष्ट्र के मानवीय आवश्यकताओं के अवलोकन (2023) में उल्लेखित विकासात्मक सहायता प्रदान करते हुए इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। तालिबान के साथ भारत का जुड़ाव राष्ट्रीय हितों और मानवीय मूल्यों जैसे संकट के दौरान मानवीय सहायता के बीच संतुलन को दर्शाता है। भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान 50,000 मीट्रिक टन गेहूँ और आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति प्रदान की, जो संकट के बीच अफ़ग़ान लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अफ़ग़ान धरती का इस्तेमाल उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के ख़िलाफ़ नहीं किया जाना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि जुड़ाव मानवीय सहायता और आतंकवाद-रोधी प्रयासों दोनों को प्राथमिकता देता है। बुनियादी ढाँचे, शिक्षा और स्वास्थ्य परियोजनाओं में भारत के निवेश ने क्षेत्रीय स्थिरता और अफ़ग़ान नागरिकों के बीच सद्भावना को बढ़ावा देने के उसके दोहरे उद्देश्य को उजागर किया। सलमा बाँध और इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान अफ़ग़ान पुनर्निर्माण और क्षेत्रीय विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं।

भारत लगातार अफ़ग़ानिस्तान को स्थिर करने और सद्भावना बनाए रखने के लिए संवाद को बढ़ावा देते हुए अपने भू-राजनीतिक हितों को सुरक्षित करने के लिए तालिबान नेतृत्व से जुड़ता है। भारत अकादमिक आदान-प्रदान के माध्यम से अफ़ग़ान छात्रों का समर्थन करता है और चिकित्सा पर्यटन की सुविधा देता है, जो दीर्घकालिक सांस्कृतिक और मानवीय सम्बंधों को दर्शाता है। हजारों अफ़ग़ान छात्र भारत में शिक्षित होते हैं, जो लोगों से लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देते हैं। अफ़ग़ानिस्तान के साथ भारत के जुड़ाव का आगे का रास्ता क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत को अफ़ग़ान स्थिरता सुनिश्चित करने और पाकिस्तान या चीन जैसे विरोधी देशों पर निर्भरता कम करने के लिए मध्य एशिया, ईरान और रूस को शामिल करते हुए बहुपक्षीय प्रयासों का नेतृत्व करना चाहिए। काबुल में राजनयिक मिशनों को मज़बूत करना और उदारवादी तालिबान गुटों के साथ संवाद बढ़ाना सम्बंधों और मानवीय सहायता वितरण को संतुलित कर सकता है।

अफ़ग़ानिस्तान में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों को फिर से खोलना आपसी समझ के केंद्र के रूप में काम कर सकता है। स्थिरता में आर्थिक निवेश: अक्षय ऊर्जा, कृषि और छोटे उद्यमों में निवेश का विस्तार भारत के क्षेत्रीय लक्ष्यों के साथ संरेखित करते हुए अफ़ग़ानिस्तान की अर्थव्यवस्था को स्थिर कर सकता है। अफ़ग़ान सौर ऊर्जा परियोजनाओं का समर्थन करने से रोजगार पैदा हो सकते हैं और विदेशी सहायता पर निर्भरता कम हो सकती है। भारत को स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहायता बढ़ानी चाहिए, ताकि अफ़ग़ानिस्तान की स्थिरता और विकास सुनिश्चित हो सके। भारत को तालिबान पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए और उसके साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि आतंकवादी संगठनों को बेअसर किया जा सके और उसके राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सके। सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने पर सहयोग करने से भारत के सुरक्षा उद्देश्यों को बढ़ावा मिल सकता है।

भारत-अफ़ग़ानिस्तान सम्बंधों में कई बाधाएँ हैं, जिनमें पाकिस्तान की भूमिका शामिल हैं। पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान में भारत की बढ़ती उपस्थिति को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए ख़तरा मानता है, तथा उसने अफ़ग़ानिस्तान के साथ अपने सम्बंधों को गहरा करने के भारत के प्रयासों को अवरुद्ध करने का प्रयास किया है। भारत और अफ़ग़ानिस्तान दोनों ही आतंकवाद के निशाने पर हैं और अफ़ग़ानिस्तान में अल-क़ायदा जैसे आतंकवादी समूहों की निरंतर उपस्थिति भारत के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। अफ़ग़ानिस्तान दुनिया के सबसे गरीब और कम विकसित देशों में से एक है और सलमा बाँध और संसद भवन जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण और देश में निवेश करने के भारत के प्रयास सुरक्षा मुद्दों, भ्रष्टाचार और अन्य चुनौतियों के कारण बाधित हुए हैं। हाल के वर्षों में चीन अफ़ग़ानिस्तान में तेजी से सक्रिय हो गया है और इससे क्षेत्र में तालिबान के साथ चीन के बढ़ते प्रभाव और जुड़ाव को लेकर भारत में चिंताएँ पैदा हो गई हैं। अफ़ग़ानिस्तान विश्व में अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक है और मादक पदार्थों के व्यापार ने इस क्षेत्र में अस्थिरता और हिंसा को बढ़ावा दिया है, जिससे भारत और अफ़ग़ानिस्तान दोनों प्रभावित हुए हैं।अफ़ग़ानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है। भारत ने अब तक केवल तालिबान को अलग-थलग करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हालाँकि, एक सीमा के बाद, यह विकल्प कम लाभ देगा, क्योंकि कई अन्य देश अब तालिबान से जुड़ना शुरू कर रहे हैं और भारत अफ़ग़ानिस्तान में एक महत्त्वपूर्ण हितधारक है। तालिबान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के साथ सम्बंध हैं। तालिबान के साथ बातचीत से भारत में आतंकवादी गतिविधियों के बारे में भारतीय चिंताओं को व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। तालिबान ने भारत को काबुल में अपना मिशन पुनः खोलने के लिए प्रोत्साहित किया, देश के लिए सीधी उड़ानें पुनः शुरू कीं तथा अफ़ग़ान सैन्य प्रशिक्षुओं को भी स्वीकार किया। भारत को अफ़ग़ानिस्तान के प्रति एक दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक आयामों को एक व्यापक रणनीति के ढांचे के भीतर एक सुसंगत समग्रता में पिरो सके।

भारत की अफ़ग़ान नीति क्षेत्र में भारत के रणनीतिक लक्ष्यों तथा क्षेत्रीय और वैश्विक रणनीतिक परिवेश की स्पष्ट समझ पर आधारित होनी चाहिए। दोनों पक्षों यानी भारत और तालिबान के लिए यह आवश्यक है कि वे एक-दूसरे की चिंताओं को ध्यान में रखें और कूटनीतिक और आर्थिक सम्बंधों में सुधार करें। भारत को अफ़ग़ानिस्तान में अपना निवेश बढ़ाना चाहिए, ख़ास तौर पर बुनियादी ढांचे के विकास, कृषि और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इससे अफ़ग़ान अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने और रोज़गार पैदा करने में मदद मिलेगी, साथ ही अफ़ग़ानिस्तान के साथ भारत की आर्थिक भागीदारी भी गहरी होगी।

भारत की संतुलित अफ़ग़ानिस्तान नीति मानवीय प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक चिंताओं को सम्बोधित करने में इसकी व्यावहारिकता को दर्शाती है। क्षेत्रीय स्थिरता के लिए तालिबान के साथ जुड़ाव सतर्क लेकिन आवश्यक है। भविष्य के प्रयासों में भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति के अनुरूप समावेशी विकास पर ज़ोर देना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि राष्ट्रीय और वैश्विक जिम्मेदारियाँ निरंतर शांति और सहयोग के लिए संरेखित हों।

भारत की संतुलित अफ़ग़ानिस्तान नीति मानवीय प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक चिंताओं को सम्बोधित करने में इसकी व्यावहारिकता को दर्शाती है। क्षेत्रीय स्थिरता के लिए तालिबान के साथ जुड़ाव सतर्क लेकिन आवश्यक है। भविष्य के प्रयासों में भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति के अनुरूप समावेशी विकास पर ज़ोर देना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि राष्ट्रीय और वैश्विक जिम्मेदारियाँ निरंतर शांति और सहयोग के लिए संरेखित हों।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महाकुंभ में काशी आने वाले श्रद्धालुओं को दी जाए उच्च स्तरीय बुनियादी सुविधा : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ के दौरान काशी आने वाले श्रद्धालुओं को उच्च स्तरीय बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया। आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को शुरू हुए दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर सर्किट हाउस में महाकुंभ से संबंधित तैयारियों, विकास परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने शीतलहर को देखते हुए व्यापक व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं के आवासों पर अलाव, शौचालय, सफाई, पेयजल, प्रकाश और सुरक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बयान के अनुसार, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गंगा घाटों पर कड़े सुरक्षा उपाय करने का आह्वान किया। उन्होंने बस स्टैंड पर उचित व्यवस्था करने का आदेश दिया ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

बयान में कहा गया है, ''महाकुंभ के दौरान काशी में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।'' इसमें कहा गया है, ''उन्होंने यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए भी कहा और महिला पुलिस अधिकारियों, होमगार्ड और पीआरडी कर्मियों को प्रशिक्षित करने और उनकी तैनाती करने के निर्देश दिए।'' मुख्यमंत्री ने 24 घंटे सघन गश्त के महत्व पर बल दिया और पुलिस को ऑटो-रिक्शा, ई-रिक्शा और टैक्सी चालकों के साथ-साथ रेहड़ी-पटरी वालों और होटलों, छात्रावासों और होमस्टे में ठहरने वाले मेहमानों की गहन जांच करने का निर्देश दिया, ताकि अवांछनीय तत्वों पर नजर रखी जा सके और उन्हें रोका जा सके।

साइबर अपराध से निपटने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अधिकारियों से शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण और पहुंच के प्रयासों सहित व्यापक जागरूकता अभियान शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और हुक्का बार जैसी अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने आगामी 'काशी तमिल संगमम' की तैयारियों की

भी समीक्षा की और अधिकारियों को इसका सुचारू और सफल आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस आयोजन में बेहतर समन्वय के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति का निर्देश दिया। इसके अलावा, उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट को लंबित राजस्व मामलों के गुण-दोष के आधार पर समाधान में तेजी लाने का निर्देश दिया। वरुणा रिवरफ्रंट परियोजना के संबंध में उन्होंने आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाने के लिए पहले दिए गए निर्देशों को दोहराया तथा वाराणसी-विंध्य क्षेत्र विकास पहल के तहत प्रस्तावित कार्यों के तेजी से क्रियान्वयन पर जोर दिया। वाराणसी में सीवरेज लीकेज की समस्या पर उन्होंने जल निगम (शहरी) तथा नगर निगम को इन समस्याओं का व्यापक समाधान करने तथा सड़कों और गलियों में सीवर ओवरफ्लो की किसी भी शिकायत को रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने पेयजल आपूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने जल निगम के पाइपलाइन बिछाने के कार्य से प्रभावित सड़कों की तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वच्छता मिशन के साथ तालमेल बिठाते हुए शहर को साफ-सुथरा और सिंगल-यूज प्लास्टिक से मुक्त रखने में समुदाय और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण और चौड़ीकरण परियोजनाओं से प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा देने का निर्देश दिया। कानून-व्यवस्था पर कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने किसान यूनियन और ट्रेड यूनियन गतिविधियों की आड़ में व्यवधान पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। बयान के अनुसार, उन्होंने सजा पूरी कर चुके विचाराधीन कैदियों पर निर्णय लेने में तेजी लाने और उनकी समय पर रिहाई सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया।

सात करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम में श्रद्धालुओं का आना और गंगा और त्रिवेणी में डुबकी लगाना अनवरत जारी है। मेला प्रशासन के मुताबिक 11 जनवरी से 16 जनवरी तक इन छह दिनों में सात करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान के मुताबिक बृहस्पतिवार को ही 30 लाख से ज्यादा लोगों ने महाकुंभ में गंगा में स्नान किया। राज्य सरकार को महाकुंभ में 45 करोड़ लोगों से ज्यादा लोगों के आने का अनुमान है। प्रयागराज में कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं और स्नान करने वालों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है।

पूरे देश और दुनिया से त्रिवेणी में डुबकी लगाने के लिए प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बृहस्पतिवार को शाम 6 बजे तक प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 लाख से ज्यादा लोगों ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया जिसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल हैं। महाकुंभ शुरू होने से पहले 11 जनवरी को लगभग 45 लाख लोगों ने स्नान किया तो वहीं 12 जनवरी को 65 लाख लोगों के स्नान करने का रिकॉर्ड दर्ज हुआ। महाकुंभ के पहले दिन पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर 1.70 करोड़ लोगों ने स्नान कर रिकॉर्ड बनाया तो अगले दिन 14 जनवरी को मकर संक्रांति अमृत स्नान के अवसर पर 3.50 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई। इस तरह, महाकुंभ के पहले दो दिनों में 5.20 करोड़ से ज्यादा लोगों ने डुबकी लगाई।

त्रिवेणी संगम पर साधु से आशीर्वाद लेते श्रद्धालु

झारखंड में जी20 सम्मेलन के लिए लाए गए दो क्रूज महाकुंभ के लिए भेजे जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामगढ़ (झारखंड)। मार्च 2023 में जी20 प्रतिनिधियों के लिए झारखंड के रामगढ़ जिले के पतरातू लेक रिजॉर्ट में लाए गए पूरी तरह से वातानुकूलित दो मल्टी-सीटर क्रूज को महाकुंभ के श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज भेजा जाएगा। झारखंड पर्यटन विकास निगम (जेटीडीसी) के एक अधिकारी के अनुसार, वर्तमान में रिजॉर्ट में संचालित 65 सीट वाले और 100 सीट वाले दोनों क्रूज को एक बड़े ट्रेलर की मदद से प्रयागराज ले जाया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि जेटीडीसी ने गुजरात की एक कंपनी से 65 सीट वाला वातानुकूलित क्रूज मंगवाया था। हालांकि, यातायात संबंधी समस्या के कारण यह प्रतिनिधियों के रामगढ़ दौरे के एक दिन बाद पहुंचा, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिनिधि इस लग्जरी क्रूज का लुत्फ नहीं उठा पाए। अब इस क्रूज को प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के लिए फिर से तैयार किया जाएगा। पतरातू लेक रिजॉर्ट के वरिष्ठ प्रबंधक अरुण सिंह ने पुष्टि की कि दोनों क्रूज प्रयागराज भेजे जाएंगे। गुजरात स्थित अंटार्कटिका सीवर्ल्ड कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक शशांक कुमार ने बताया कि क्रूज को भेजने के लिए ट्रेलर पर लादने की प्रक्रिया चल रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 18-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

आरवाईए कैरम टूर्नामेंट सुपर स्ट्राइकर-4 का हुआ आयोजन

सौ से अधिक प्रतियोगियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाइए) के तत्वावधान में कैरम टूर्नामेंट सुपर स्ट्राइकर-4 का आयोजन एएम जैन कॉलेज के प्रांगण में हुआ। सुपर स्ट्राइकर-4 में पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष डबल और मिक्स डबल गेम खेले गए जिसमें राजस्थानी समाज के 100 से अधिक प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। सुपर स्ट्राइकर-4 के मुख्य प्रायोजक व टाइटल स्पोंसर छल्लाणी ज्वैलरी मार्ट रहे। आरवाइए के अध्यक्ष सुधीर जैन ने स्वागत भाषण में कहा कि यह टुर्नामेंट खिलाड़ियों के कौशल व आपसी मेलजोल बढ़ाने के लिए शुरू किया गया।

विशिष्ट अतिथि पन्नालाल चौरड़िया ने पहली स्ट्राइक कर सुपर स्ट्राइकर-4 की शुरुआत की। इसके प्रमुख अंपायर अंतरराष्ट्रीय कैरम रेफरी एन. प्रभु थे।

सुपर स्ट्राइकर-4 में प्रमुख चैंपियन ट्रॉफी के विजेता महेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब और उपविजेता सीएसके टीम रही। व्यक्तिगत विजेताओं में पुरुष एकल में आलोक बिसानी विजेता और चंद्रप्रकाश उपविजेता रहे, जबकि महिला एकल खिताब शर्मिला जैन ने अपने नाम किया और प्रेमा लोढ़ा उपविजेता रही। पुरुष डबल में आयुष झामड़ व शैलेश झामड़ की जोड़ी ने बाजी मारी जबकि चंद्रप्रकाश तिवारी व आलोक बिसानी की जोड़ी रनर अप रही। मिक्स डबल में मयूर डांगरा व महक मूंदड़ा की जोड़ी विजेता और मधुसूदन व कृष्ण मूंदड़ा की जोड़ी उपविजेता घोषित की गई।

सभी विजेताओं को ट्राफी और नकद इनाम वितरित किए गए। सुपर स्ट्राइकर-4 के चेयरमैन विकास सुराणा ने विशिष्ट अतिथि का सम्मान किया।

कार्यक्रम के आयोजन में विकास सुराणा, आशीष जैन, श्रेयांस सेठिया, हरीश मूथा, सुरेन्द्र नाहर, दिलीप बांठिया, राजेश बोहरा, विनय सुराणा, दिनेश बोहरा, कुलदीप नाहर, रोनक मूथा का विशेष सहयोग रहा। श्वेता व विवेक बंब ने संचालन किया। आरवाइए के सचिव भरत एस.चोरड़िया ने सबका आभार जताया।

एक्रोरा इंटरनेशनल ने रिषभ गौशाला में किया पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एक्नोरा इंटरनेशनल के तत्वावधान में चल रहे हरित प्रदेश अभियान के तहत तमिलनाडु के पारंपरिक त्यौहार पोंगल के मौके पर दि रिषभ गौशाला तिरुनीलई में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। पूरे परिसर में 50 पेड़ लगाये गए। इस आयोजन में गौशाला की पूरी टीम ने सहयोग देकर गौशाला के परिसर में पेड़ लगाने पर हरित प्रदेश अभियान की खूब खूब प्रशंसा की।

इस मौके पर एक्नोरा नॉर्थ के सचिव फतेहराज जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के गुणों की जानकारी एवं पेड़ों की रक्षा केसे करनी चाहिए कि विशेष जानकारियों देते हुए कहा कि वन क्षेत्र धीरे धीरे कम हो रहा है और कांक्रीट की इमारतें बन रही है जो कि पर्यावरण के लिए हानिकारक है। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा पेड लगाने चाहिए और दूसरों को प्रेरित करना चाहिए। इस अभियान में एक्नोरा के गोविंदराज, दीपक, तमिलमनी, शाशिकुमार, इंद्रजीतू, हसन फैसल एवं रिषभ गौशाला के सभी सदस्य एवं कई पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के ईशा फाउन्डेशन संस्थान के संस्थापक एवं आध्यात्मिक गुरु, 'पद्म विभूषण' सद्गुरुजी ने शुक्रवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की।

ज्ञान दिवस के रुप में मनाई गई उपाध्याय मानचन्द्र की जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के तत्वावधान में स्वाध्याय भवन में उपाध्यायश्री मानचन्द्रजी की 91वीं जयंती ज्ञान दिवस के रुप में मनाई गई। स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने सम्यक्त्व, देशविरत श्रावक आदि गुणस्थान के स्वरुप पर विवेचन किया। स्वाध्यायी लीलमचन्द बागमार ने उपाध्यायश्री के चरित्रमय जीवनी की स्तुति की। श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने उपाध्याय मानचंद्र की मौलिख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उनके विनम्र, सेवा, विनय, सरलता, समर्पण भाव के संस्मरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बाबाजी महाराज व सहवर्ती गुरुभाई महाराज की निस्वार्थ भावों से सेवा की। उपाध्याय की दीक्षा जैनाचार्य हस्तीमल महाराज के मुखारविन्द से जोधपुर में व बड़ी दीक्षा नागोरी गेट पर हुई।

श्रावक संघ के उपाध्यक्ष अम्बालाल कर्णावट व गौतमचंद मुणोत ने गद्य से गुणगान किए। ज्ञानदिवस के प्रसंग पर रुपराज सेठिया, उच्छबराज गांग,सुगनचंद मुथा, दीपक, योगेश श्रीश्रीमाल आदि की उपस्थिति रही। जैन संकल्प, व्रत, नियम, प्रत्याख्यान के पश्चात वीरेन्द्र कांकरिया ने मांगलिक श्रवण कराई।

सम्मान : — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व सनातन शक्ति तमिलनाडु के अध्यक्ष बी पी गोस्वामी, तमिलनाडु जैन समाज के राजेश बोहरा, महावीरचंद बोहरा, उगमराज बोहरा, महेंद्रकुमार ललितकुमार तालेड़ा, अशोककुमार कोठारी ने आल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस तमिलनाडु प्रांत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मीचंद तालेड़ा एवं कोषाध्यक्ष अजीत पटवा से उनके निवास पर मुलाकात कर सम्मान किया तथा आगामी कार्यकाल की शुभकामनाएं दी।

कोयम्बटूर हवाई अड्डे ने बनाया नया कीर्तिमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। संक्रांति के मौके पर 14 जनवरी को कोयम्बटूर के हवाई अड्डे पर 11,400 यात्रियों ने यात्रा कर एक रिकार्ड बनाया। कोयम्बटूर कोवई के नाम के जाना जाता है। यह तमिलनाडु राज्य का चेन्नई के बाद दूसरा मुख्य शहर है। यह वैश्विक आईटी आउटसोर्सिंग शहरों में 17वें स्थान पर है और भारतीय कपड़ा व्यवसाय के 1/3 हिस्से की जिम्मेदारी निभाता है। यह भारत में मोटर रेसिंग के लिए एक लोकप्रिय केंद्र के रूप में भी जाना जाता है।

विशेषकर फॉर्मूला 3 ऑटो रेसिंग सर्किट यहां है। इसके अलावा चेन्नई के बाद तमिलनाडु में दूसरा सबसे बड़ा सॉफ्टवेयर उत्पादक है।

कोयंबटूर हवाई अड्डा यात्री और माल यातायात के मामले में तमिलनाडु का दूसरा सबसे बड़ा हवाई अड्डा है। कोयंबटूर भारत सरकार द्वारा शीर्ष 15 स्मार्ट शहरों में से एक है और भारत के शीर्ष 10 शहरों में से एक है, जहाँ बड़ी संख्या में स्टार्ट-अप हैं। यह शहर कपास के विशाल उत्पादन, विभिन्न मोटर, ग्राइंडर के लिए भी जाना जाता है। विश्व में एयरपोर्ट मैनेजमेंट में यह 13वां स्थान में हैं। भारत में एयर पोर्ट मैनेजमेंट में विश्व में टॉप 20 में भारत के सिर्फ 4 एयरपोर्ट को शामिल किया गया और कोयंबतूर 13वां स्थान है।

महापुरुष तिरुवल्लुवर और कुंदकुंद का जैन साहित्य में अहम योगदान है : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रुत रत्नाकर व महावीर जैन विद्यालय अहमदाबाद, विश्व जैन परिसंघ, मुंबई तथा भारत के बाहर जैन समाज की सबसे बड़ी संस्था जैना (यूएसए) के संयुक्त तत्वावधान में चौथा अंतरराष्ट्रीय जैन सम्मेलन गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में संपन्न हुआ। डॉ. जितेन्द्र बी. शाह के संयोजन में आयोजित सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने तमिल संस्कृति को जैन धर्म का योगदान विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि प्राचीन तमिल साहित्य के निर्माण में जैनों का लगभग नब्बे प्रतिशत योगदान है। पचास वर्ष पूर्व तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि ने लिखा था कि 'गुणवान' तमिल जैनों ने हमारी 'तमिल माता' को साहित्यिक कृतियों के असंख्य रत्नों से सुशोभित किया है। यदि आप जैनों की इन कृतियों को अलग कर दें तो तमिल साहित्य की दुनिया वीरान हो जाएगी।

डॉ. धींग ने विश्वविख्यात नीति ग्रंथ तिरुकुरल की महिमा बताते हुए कहा कि तिरुवल्लुवर और आचार्य कुंदकुंद जैन संस्कृति के दो अलग

अलग महापुरुष थे। दोनों की साधना भूमि, चिंतनधारा, भाषा, शैली और कालखंड भिन्न थे। तिरुवल्लुवर ने अर्थ व काम पुरुषार्थ, नायक-नायिका का मिलन, विरह, विरह की वेदना और श्रृंगार का जो सरस वर्णन किया, वह कुंदकुंद जैसे आध्यात्मिक आचार्य की भावधारा से सर्वथा भिन्न है।

धींग ने कहा कि नारी-शिक्षा और नारी-सम्मान को बढ़ावा देने में जैनों के ऐतिहासिक योगदान के साहित्यिक और शिलालेखीय साक्ष्य आज भी तमिलनाडु में मौजूद हैं। कलुगुमलै जैसे अनेक पुरास्थल विश्व विरासत सूची में स्थान पाने योग्य हैं। डॉ. धींग ने कहा कि कष्ट झेलकर भी जैनों ने ज्ञान और सेवा की अलख जगाए रखी, जिसका उजाला आज भी तमिल प्रदेश में बिखरा हुआ है।

सम्मेलन में आचार्यश्री नंदीघोषसूरीजी, आचार्यश्री रत्नाचलसूरीजी, लोकेशमुनिजी, साध्वियां, समणियां, गुजरात विवि की कुलपति प्रो. नीरजा गुप्ता, नालंदा विवि के कुलपति प्रो. अभयकुमार सिंह, अहदाबाद की मेयर प्रतिभा जैन, डॉ. धर्मचंद जैन, पद्मश्री कुमारपाल देसाई, डॉ. बिपिन दोशी, जैना अध्यक्ष बिंदेष शाह सहित देश विदेश के बड़ी संख्या में विद्वान और श्रोतागण उपस्थित थे।

ट्रंप प्रशासन के तहत भारत की स्थिति अपेक्षाकृत काफी अच्छी है : विशेषज्ञ

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका में जाने माने भारतवंशी विशेषज्ञ ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के अंतर्गत अपेक्षाकृत रूप से भारत की स्थिति काफी अच्छी है। उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति भारत को समस्या के रूप में नहीं देखते हैं, लेकिन शुल्क और वैध आव्रजन के मुद्दे पर बाधाएं आ सकती हैं। 'ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) अमेरिका' के कार्यकारी निदेशक ध्रुव जयशंकर ने ट्रंप (78) के राष्ट्रपति पद के लिए शपथ ग्रहण से कुछ दिन पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं हमेशा कहता हूं कि भारत ट्रंप प्रशासन के तहत अपेक्षाकृत काफी बेहतर स्थिति में है।'' डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।

जयशंकर की पुस्तक ''विश्व शास्त्र'' हाल में बाजार में आई है। उन्होंने कहा, ''ट्रंप की मांगें क्या हैं: उनका कहना है कि अमेरिकी सहयोगी मुफ्त में बहुत कुछ पा रहे हैं, जबकि उन्हें और अधिक करना चाहिए। उन्हें विदेशी सहायता पसंद नहीं है। इसलिए, कई मुद्दों पर भारत वास्तव में सीधे सीधे प्रभावित नहीं होने जा रहा है क्योंकि वह भारत को एक समस्या के रूप में नहीं देखते हैं।''

'स्ट्रेचर लाओ, मैं सैफ अली खान हूं': ऑटो रिक्शा चालक ने बताई हमले वाली रात की आंखों देखी

मुंबई/भाषा। ऑटो रिक्शा चालक भजन सिंह राणा ने कहा कि उन्हें पता नहीं था कि बृहस्पतिवार तड़के खून में लथपथ कुर्ते में बैठे जिस व्यक्ति को वह लीलावती अस्पताल ले जा रहे हैं वह बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान हैं। ऑटो चालक ने शुक्रवार को मुंबई में पत्रकारों से कहा, जब हम अस्पताल के गेट पर पहुंचे तो उन्होंने (सैफ) गार्ड को 'स्ट्रेचर' लाने के लिए कहा और बताया कि वह सैफ अली खान हैं। राणा ने कहा कि सतगुरु शरण बिल्डिंग से गुजर रहे थे तो एक महिला और कुछ अन्य लोगों ने उनसे ऑटो रिक्शा रोकने के लिए कहा। सैफ सतगुरु शरण बिल्डिंग में रहते हैं। उन्होंने कहा, फिर खून में लथपथ सफेद कुर्ते में एक व्यक्ति ऑटो में बैठा। मैंने देखा कि उनकी गर्दन और पीठ पर घाव थे, लेकिन हाथ पर लगे घाव पर ध्यान नहीं गया। राणा से पूछा गया कि क्या

खान के बेटे तैमूर उनके साथ अस्पताल गए थे तो उन्होंने कहा, वह (सैफ) ऑटो रिक्शा में बैठे। सात-आठ साल का एक लड़का भी रिक्शा में बैठा। ऑटो रिक्शा चालक ने कहा कि पहले बांद्रा में होली फैमिली अस्पताल जाने की योजना थी, लेकिन फिर सैफ ने बांद्रा में ही स्थित लीलावती अस्पताल ले जाने के लिए कहा। राणा ने कहा, जब हम अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने (सैफ) गेट पर खड़े गार्ड को बुलाया और कहा: कृपया स्ट्रेचर लेकर आओ।

'एसपीएल' किक्रेट प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी पंजीकरण प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सीरवी समाज ट्रस्ट पश्चिम एवं सीरवी स्पोर्ट्स एण्ड कल्चरल क्लब सुकंदकट्टे के तत्वावधान में दो दिवसीय 'एसपीएल-2025' का आयोजन 1 व 2 मार्च को मागड़ी रोड़ स्थित आईजी वाटिका देवमाच्चोहल्ली में खेला जाएगा। खेल मंत्री तरुण काग ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण का कार्य एक समारोह में शुरु कर दिया गया है। इस आयोजन में खिलाड़ियों ने पंजीकरण करवाने के लिए बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स क्लब के कार्यकारिणी सदस्य नरेन्द्र गेहलोत, प्रकाश चोयल, मीठालाल परिहार, गौतम मुलेवा, राकेश सोलंकी, सोहन भायल, सुनील परिहार आदि उपस्थित रहे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.